■ वैशाख कृष्ण - 14 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 268 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 27-04-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 ‘एक राष्ट्र एक चुनाव’ से विकास को पंख लगेंगे: शिवराज सिंह चौहान

6 हवलदार जोसेफ अनल चांग: निशानेबाजी के शौक ने बना दिया सैनिक, उड़ा दिए पाकिस्तान के बंकर

7 सिंधु जल संधि नेहरू की रणनीतिक भूलों में से एक है : हिमंत

फर्स्ट टेक

सभी यूक्रेनी सैनिकों को कुर्स्क क्षेत्र से रूस ने खदेड़ा

मॉस्को/भाषा। रूस ने शनिवार को पश्चिमी कुर्स्क क्षेत्र को पूर्ण रूप से मुक्त कराने घोषणा की तथा यूक्रेन की सशस्त्र सेनाओं को खदेड़ने में उत्तर कोरियाई सैनिकों की भूमिका की सराहना की। यूक्रेन ने रूस के दावे का खंडन किया है। अगस्त 2024 में कुर्स्क क्षेत्र के कुछ हिस्सों पर यूक्रेनी सशस्त्र बलों ने नियंत्रण हासिल कर लिया था। रूस की यह घोषणा ऐसे समय में आई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने संभावित युद्धविराम समझौते पर चर्चा करने के लिए वेटिकन सिटी में मुलाकात की थी। दोनों राष्ट्रपति पोप के अंतिम संस्कार में शामिल होने पहुंचे हैं। रूसी सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ प्रमुख वालेरी गेरासिमोव ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को जानकारी देते हुए कहा, ''आज सुबह गोर्नल इलाके को मुक्त कराये जाने के बाद कुर्स्क क्षेत्र से यूक्रेनी सैनिकों को पूरी तरह से खदेड़ दिया गया है।''

मुझे इस बात को लेकर संदेह है कि पुतिन यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने के इच्छुक हैं : ट्रंप

रोम/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को कहा कि उन्हें इस बात को लेकर संदेह है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन में युद्ध समाप्त करना चाहते हैं। उन्होंने इस बात को लेकर भी संदेह जताया कि शांति समझौता जल्द ही हो सकता है। एक दिन पहले ही ट्रंप ने कहा था कि यूक्रेन और रूस ''समझौते के बहुत करीब हैं''। पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार के बाद अमेरिका वापस लौटते समय ट्रंप ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि ''पिछले कुछ दिनों में नागरिक क्षेत्रों, शहरों और कस्बों में मिसाइलें दागने का पुतिन के पास कोई कारण नहीं था।'' ट्रंप ने लिखा कि इससे उन्हें लगता है कि शायद वह (पुतिन) युद्ध को रोकना नहीं चाहते।

जून से कैलाश मानसरोवर यात्रा फिर से शुरू करने का फैसला

नई दिल्ली/भाषा। भारत और चीन जून से कैलाश मानसरोवर यात्रा फिर से शुरू करेंगे। पांच साल के अंतराल के बाद यह यात्रा होने जा रही है। इस कदम को पूर्वी लद्दाख में सीमा गतिरोध से बुरी तरह प्रभावित दोनों देशों के संबंधों को सामान्य बनाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।
विदेश मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि यह यात्रा जून से अगस्त तक दो मार्गों – उत्तराखंड में लिपुलेख दर्रा और सिक्किम में नाथू ला के जरिए होगी।

27-04-2025 सूर्यास्त 6:34 बजे | 28-04-2025 सूर्योदय 6:00 बजे

BSE	NSE
79,212.53 (-588.90)	24,039.35 (-207.35)

सोना	चांदी
10,126 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	98,332 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

हाल ए पाकिस्तान

सत्ता पर हावी है मुनीर,
इमरान मियां है नजरबंद।
बलुचों ने बजवा दी घण्टी,
सेनाएं भी लगती स्वछंद।
बेखौफ हुई दहशतगर्दी,
हावी हुकुमत पर सिर्फ चंद।
घर में खाने के लाले पर,
कर रहे जंग की दंद-फंद।।

प्रजा की रक्षा का कर्त्तव्य निभाये राजा : भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि अहिंसा का सिद्धांत हिंदू धर्म में निहित है, जिसमें कहा गया है कि हमलावरों से परास्त नहीं होना भी कर्तव्य का हिस्सा है। उन्होंने एक पुस्तक विमोचन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि अहिंसा के सिद्धांत लोगों को इस विचार को अपनाने पर आधारित हैं।

आरएसएस प्रमुख ने कहा, ''कई लोग इन सिद्धांतों को पूरे दिल से अपनाते हैं, जबकि अन्य ऐसा नहीं करते हैं और परेशानी बढ़ाते रहते हैं। ऐसी स्थिति में धर्म कहता है कि हमलावरों से परास्त नहीं होना भी धर्म (कर्तव्य) का हिस्सा है। गुंडों को सबक सिखाना भी कर्तव्य का हिस्सा है।'' उन्होंने कहा कि भारत ने कभी भी अपने पड़ोसियों को नुकसान नहीं पहुंचाया है, लेकिन अगर कोई बुरी नजर डालता है तो उसके पास कोई विकल्प नहीं बचता।

संघ प्रमुख ने कहा, ''हम कभी भी अपने पड़ोसियों का अपमान या नुकसान नहीं करते। लेकिन अगर कोई बुराई पर उतर आए तो दूसरा विकल्प क्या है? राजा का कर्तव्य लोगों की रक्षा करना है, राजा को अपना कर्तव्य निभाना चाहिए।''

भागवत ने सनातन धर्म को सही अर्थों में समझने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि 'धर्म तब तक धर्म नहीं है जब तक वह सत्य, शुचिता, करुणा और तपस्या के चार सिद्धांतों का पालन नहीं करता।''उन्होंने कहा, ''इससे परे जो भी है वह अधर्म है।''

भागवत ने कहा कि वर्तमान समय में धर्म केवल कर्मकांड और खान-पान की आदतों तक सीमित रह गया है। उन्होंने कहा, ''हमने धर्म को रीति-रिवाजों और खान-पान की आदतों तक सीमित कर दिया है, जैसे कि किसकी किस तरह पूजा की जानी चाहिए और क्या खाना चाहिए और क्या नहीं खाना चाहिए। यह एक आचार संहिता है... सिद्धांत नहीं। धर्म एक सिद्धांत है।''

‘सरकार युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों में बढ़ोतरी सुनिश्चित कर रही’

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठा रही है कि रोजगार और स्वरोजगार के अवसरों में इजाफा हो।

केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में चयनित 51,000 से अधिक लोगों को नियुक्ति पत्र वितरित करने के बाद रोजगार मेले के 15वें संस्करण को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह युवाओं के लिए अभूतपूर्व अवसरों का समय है। उन्होंने डिजिटल माध्यम से आयोजित कार्यक्रम में कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने कहा है कि भारत सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था वाला देश बना रहेगा।

केंद्र सरकार ने विभिन्न विभागों में चयनित 51,000 से अधिक लोगों को नियुक्ति पत्र वितरित किए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हर क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। मोदी ने कहा कि ऑटोमोबाइल और फुटवियर उद्योगों में उत्पादन व निर्यात ने नए रिकॉर्ड बनाए हैं, जिससे बड़ी संख्या में रोजगार पैदा हुए हैं।

प्रधानमंत्री ने अपनी सरकार द्वारा किए गए बदलाव का हवाला देते हुए कहा कि अंतर्देशीय जलमार्ग के माध्यम से माल प्रबंधन की मात्रा 2014 में 1.8 करोड़ टन थी, जो बढ़कर 14.5 करोड़ टन हो गई है, जबकि राष्ट्रीय जलमार्गों की संख्या पांच से बढ़कर 110 हो गई है और उनकी लंबाई 2,700 किलोमीटर से बढ़कर 5,000 किलोमीटर से अधिक हो गई है। मोदी ने कहा कि सबसे बड़ी बात यह रही है कि विकास समावेशी रहा है। उन्होंने कहा कि हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। मोदी ने कहा कि इस साल संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की परीक्षा में शीर्ष पांच में से तीन 'टॉपर' महिलाएं हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 90 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों में 10 करोड़ से अधिक महिलाएं काम कर रही हैं। मोदी ने कहा कि इस दशक में युवाओं ने प्रौद्योगिकी, डेटा और नवाचार के क्षेत्र में भारत के उत्थान को गति दी है। उन्होंने कहा कि देश 'रियल टाइम' डिजिटल लेनदेन में अग्रणी है। उन्होंने कहा कि जब युवा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय रूप से योगदान देते हैं, तो देश का तेजी से विकास होता है और वैश्विक मंच पर देश की एक अलग पहचान बनती है।

पहलगाम हमले पर मोदी का रवैया उचित नहीं : खरगे

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुई आतंकी हमले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रवैया उचित नहीं है और उन्होंने इस मुद्दे पर जब सर्वदलीय बैठक बुलाई तो चुनावी भाषण देने जाने की बजाय उन्हें खुद बैठक में शामिल रहकर स्थिति की सच्चाई से देश को अवगत कराना चाहिए था।

खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री के इस रवैये से स्पष्ट है कि वह इस हमले को लेकर गंभीर नहीं थे। वह इस बैठक में न खुद शामिल हुए और ना उन्होंने देश को बताया कि यह सुरक्षा में चूक थी, खुफिया तंत्र की विफलता थी या कोई और वजह थी जिसके कारण इतनी भीषण वारदात पहलगाम में हुई है। उनका कहना था कि खुद प्रधानमंत्री को इस मुद्दे पर देश को स्पष्टीकरण देना चाहिए था।

खरगे ने कहा, मोदी ने सर्वदलीय बैठक बुलाई थी और सभी दलों के नेता उसमें शामिल हुए। बैठक में संसद की दोनों सदनों, लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष के नेता भी मौजूद थे। जब भी सरकार इस तरह की बैठक बुलाती है तो सरकार के प्रमुख प्रतिनिधि प्रधानमंत्री को बैठक में शामिल होना चाहिए। इस बैठक में प्रधानमंत्री का गैर मौजूद रहना उचित नहीं था। इतनी गंभीर घटना हुई जिसमें जरीब 26 लोगों की जान चली गई और कई अन्य घायल हो गए।

पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद

कश्मीर में आतंकियों व समर्थकों के कई घर ध्वस्त, सैकड़ों लोग हिरासत में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। केंद्र शासित प्रदेश के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद अधिकारियों ने कश्मीर में आतंकवादियों और उनके समर्थकों के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई शुरू की, जिसमें उनके (आतंकवादियों) घरों को ध्वस्त किया गया, ठिकानों पर छापेमारी की गई तथा पूछताछ के लिए सैकड़ों आतंकी मददगारों को हिरासत में लिया गया। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि पिछले 48 घंटों में छह आतंकवादियों या उनके मददगारों के घरों को ध्वस्त कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि आतंकवादी गतिविधियों में शामिल अन्य लोगों के खिलाफ भी इसी तरह की कार्रवाई की जाएगी।

जम्मू-कश्मीर पुलिस के प्रवक्ता ने कहा कि श्रीनगर में ''आतंकवाद समर्थित तंत्र को ध्वस्त करने के लिए'' शनिवार को 60 से अधिक स्थानों पर छापेमारे की गई।

अनंतनाग जिले में सुरक्षाबलों ने सतर्कता बढ़ा दी है और लगातार तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

अधिकारियों ने बताया कि पूरे जिले में सचल वाहन जांच चौकियां स्थापित की गई हैं ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखी जा सके।

इसरो ने सेमीक्रायोजेनिक इंजन का अल्पकालिक परीक्षण सफलतापूर्वक किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। तमिलनाडु के महेंद्रगिरि में इसरो प्रोपल्शन कॉम्प्लेक्स (आईपीआरसी) स्थित परीक्षण सुविधा में सेमीक्रायोजेनिक इंजन को चालू करने से संबंधित अल्पकालिक परीक्षण सफलतापूर्वक किया गया। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शनिवार को यह जानकारी दी।

यह परीक्षण 24 अप्रैल को किया गया। इससे पहले 28 मार्च को भी इसका परीक्षण कामयाब रहा था। सेमीक्रायोजेनिक इंजन परीक्षण कार्यक्रम में इसे बड़ी सफलता माना जा रहा है। इसरो ने एक बयान में कहा कि इस परीक्षण में इंजन पावर हेड टेस्ट आर्टिकल को 3.5 सेकंड की अवधि के लिए 'हॉट टेस्ट' से गुजारा गया। इसमें थ्रस्ट चैंबर को छोड़कर सभी इंजन प्रणालियां शामिल थीं। इस प्रक्रिया ने इंजन स्टार्ट-अप अनुक्रम को मान्य किया। बयान में कहा गया, ''परीक्षण के दौरान, इंजन को सफलतापूर्वक चालू किया गया तथा यह अपने निर्धारित क्षमता स्तर के 60 प्रतिशत तक संचालित हुआ, जिससे स्थिर एवं नियंत्रित प्रदर्शन प्रदर्शित हुआ।''

पहलगाम आतंकी हमला

पाकिस्तान ने 'तटस्थ, पारदर्शी' जांच में शामिल होने की पेशकश की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद/लाहौर/भाषा। पाकिस्तान ने पहलगाम आतंकवादी हमले की किसी भी ''तटस्थ और पारदर्शी'' जांच में शामिल होने की शनिवार को पेशकश की।

मंगलवार को हुए इस हमले में 26 लोग मारे गए थे।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने खैबर-पख्तूनख्वा के काकुल में पाकिस्तान सैन्य अकादमी में सेना के कैडेट की 'पासिंग आउट परेड' को संबोधित करते हुए कहा, ''पहलगाम में हुई हालिया घटना इस निरंतर दोषारोपण के खेल का एक और उदाहरण है, जिसे पूरी तरह से बंद किया जाना चाहिए। एक जिम्मेदार देश के रूप में अपनी भूमिका को जारी रखते हुए, पाकिस्तान किसी भी तटस्थ, पारदर्शी और विश्वसनीय जांच में भागीदारी करने के लिए तैयार है।''

गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने लाहौर में संवाददाता सम्मेलन में समान विचार व्यक्त करते हुए कहा, ''यदि किसी तीसरे देश के तटस्थ लोग इस घटना की जांच करते हैं, तो हम उनके साथ सहयोग करने के लिए तैयार हैं।'' भारत द्वारा सिंधु जल संधि को निलंबित किये जाने का उल्लेख करते हुए शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान के हिस्से के जल के प्रवाह को रोकने, कम करने या दूसरी ओर मोड़ने के किसी भी प्रयास का पूरी ताकत से जवाब दिया जाएगा। शरीफ ने कहा कि अगर भारत ने उसके (पाकिस्तान के) हिस्से का पानी रोका, तो वह सभी विकल्पों का इस्तेमाल करेंगे।

ईरानी बंदरगाह पर भीषण विस्फोट में 5 की मौत, 700 से अधिक घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मस्कट (ओमान)/एपी। दक्षिणी ईरान के एक बंदरगाह में शनिवार को भीषण विस्फोट हुआ और आग लग गई। यह विस्फोट कथित तौर पर मिसाइल प्रणोदक बनाने में इस्तेमाल होने वाले रासायनिक घटक की खेप से जुड़ा हुआ था। इस विस्फोट में 5 लोगों की मौत हो गई और 700 से अधिक लोग घायल हो गए।

प्रांतीय आपदा प्रबंधन अधिकारी मेहरदाद हसनजादेह ने राज्य टेलीविजन पर एक साक्षात्कार में हताहतों की संख्या का अद्यतन विवरण दिया। पिछला आंकड़ा चार लोगों की मौत और 500 से अधिक अन्य के घायल होने का था।

शाहिद राजाई बंदरगाह पर विस्फोट ऐसे समय हुआ जब ईरान और अमेरिका शनिवार को ओमान में तेहरान के तेजी से बढ़ते परमाणु कार्यक्रम पर तीसरे दौर की वार्ता के लिए मिले थे।

हालांकि ईरान में किसी ने भी यह नहीं कहा कि यह विस्फोट किसी हमले के परिणामस्वरूप हुआ है, यहां तक कि वार्ता का नेतृत्व कर रहे ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने भी बुधवार को स्वीकार किया कि वैध प्रतिक्रिया के वास्ते उकसाने के लिए तोड़फोड़ और हत्या के प्रयासों की पिछली घटनाओं को देखते हुए हमारी सुरक्षा सेवाएं हाई अलर्ट पर हैं।

बंदरगाह में कथित तौर पर मिसाइल ईंधन के लिए रसायन लाया गया था।

ईरानी अधिकारियों ने कई घंटों तक बंदरगाह पर हुए विस्फोट के कारणों के बारे में कोई सीधा स्पष्टीकरण नहीं दिया हालांकि उन्होंने इस बात से इनकार किया कि विस्फोट का देश के तेल उद्योग से कोई संबंध है। बंदरगाह बंदर अब्बास के ठीक बाहर है।

पंजाब किंग्स और केकेआर का मैच बारिश के कारण रद्द

कोलकाता/भाषा। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और पंजाब किंग्स के बीच शनिवार को यहां खेले गये इंडियन प्रीमियर लीग मैच को तेज आंधी और बारिश के कारण रद्द कर दिया। मैच रद्द होने के कारण दोनों टीमों को एक-एक अंक मिले। आंधी इतनी तेज थी कि मैदानकर्मियों को मैदान को कवर्स से ढकने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। तेज हवा के कारण कुछ कवर्स फट गये और कुछ उड़कर बाउंड्री की तरफ चले गये। मैच रोके जाते समय केकेआर ने जीत के लिए 202 रन का पीछा करते हुए बिना किसी नुकसान के एक ओवर में सात रन बना लिये थे। उस समय सुनील नारायण चार और रहमानुल्लाह गुरबाज एक रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। इससे पहले पंजाब किंग्स के लिए प्रभसिमरन सिंह ने 83 जबकि प्रियांश आर्य ने 69 रन का योगदान दिया। दोनों ने पहले विकेट के लिए 120 रन की साझेदारी की टीम को शानदार शुरुआत दिलायी।

बिलावल भुट्टो-जरदारी ने दी धमकी

भारत ने नदी का पानी रोका तो खून बहेगा

इस्लामाबाद/भाषा। पहलगाम आतंकी हमले के बाद सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) को स्थगित करने के भारत के फैसले पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए 'पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी' (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो-जरदारी ने धमकी दी कि अगर पानी रोका गया तो नदियों में खून बहेगा। 'द न्यूज' की खबर में पूर्व विदेश मंत्री के हवाले से कहा गया, ''सिंधु हमारी है और हमारी ही रहेगी – या तो हमारा पानी इसमें बहेगा या उनका खून।'' बिलावल ने यह बात शुक्रवार को अपने गृह प्रांत सिंध के सुक्कुर इलाके में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए कही।

बिलावल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दावा किया है कि भारत हजारों साल पुरानी सभ्यता का उत्तराधिकारी है, ''लेकिन मोहनजोदड़ो सभ्यता लरकाना में है। हम इसके सच्चे संरक्षक हैं और हम इसकी रक्षा करेंगे।'' बिलावल ने कहा कि मोदी सिंध और सिंधु के लोगों के बीच सदियों पुराने रिश्ते को नहीं तोड़ सकते। उन्होंने कहा कि ''भारत सरकार ने पाकिस्तान के पानी पर अपनी नजरें टिका रखी हैं और हालात की मांग है कि चारों प्रांतों को अपने पानी की रक्षा एवं सुरक्षा के लिए एकजुट होना होगा।'' उन्होंने कहा कि न तो पाकिस्तान के लोग और न ही अंतरराष्ट्रीय समुदाय मोदी की ''युद्धोत्तेजक'' या सिंधु नदी के पानी को पाकिस्तान से छीनने के किसी भी प्रयास को बर्दाश्त करेंगे।

देशभक्ति भारत के लोगों के लिए परम धर्म, पहलगाम हमले से नहीं टूटेगा राष्ट्र का मनोबलः गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि जब तक 140 करोड़ भारतीय देशभक्ति और राष्ट्रवाद को अपना परम धर्म नहीं मानेंगे, तब तक पहलगाम जैसी घटनाएं देश को परेशान करती रहेंगी।

गोयल ने इस बात पर जोर दिया कि इस तरह के कृत्य कभी भी भारत के मनोबल को नहीं तोड़ पाएंगे। गोयल ने शुक्रवार को यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा कि लोगों के विश्वास से कश्मीर में पर्यटन जल्द ही फिर से शुरू होगा और तीर्थयात्री अपनी अमरनाथ यात्रा जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर भारत का बढ़ता कद कुछ ताकतों को परेशान कर रहा है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने कहा, ''ये घटनाएं उन ताकतों के हताशा भरे अंतिम प्रयासों को दर्शाती हैं। यह एक असहनीय हमला है, लेकिन हम किसी को भी नहीं बख्शेंगे।''

मंत्री ने कहा, ''जब तक 140 करोड़ भारतीय देशभक्ति और राष्ट्रवाद को अपना परम धर्म नहीं मानेंगे, तब तक ऐसी घटनाएं हमारे देश को परेशान करती रहेंगी। हालांकि, भारत में इतनी ताकत है कि वह इनका मुंहतोड़ जवाब दे सकता है।''

आंतरिक खतरों से निपटने में भारत की सफलता पर प्रकाश

डालते हुए गोयल ने कहा, ''जिस तरह हम नक्सलवाद को तेजी से खत्म कर रहे हैं, उसी तरह हम आतंकवाद को भी परास्त करेंगे। भारत की ताकत और दृढ़ संकल्प अडिग है।''

पाकिस्तानी नागरिकों के भारत में वीजा अवधि से अधिक समय तक रहने के बारे में पूछे जाने पर गोयल ने कहा, ''हमने पहले ही घोषणा कर दी है और उन्हें देश छोड़ने के लिए सूचित कर दिया है। किसी को भी यहां अवैध रूप से रहने की अनुमति नहीं दी जाएगी।''

इस हमले से कश्मीर में पर्यटन प्रभावित होने की चिंता पर गोयल ने कहा, ''भारत के लोगों में शक्ति, साहस और आत्मविश्वास है। पर्यटन जल्द ही फिर से शुरू हो जाएगा, तीर्थयात्री अपनी अमरनाथ यात्रा जारी रखेंगे और कश्मीर प्रगति के पथ पर मजबूती से बना रहेगा। इसे कोई नहीं रोक सकता।''

आतंकवादियों ने 22 अप्रैल की दोपहर को कश्मीर के पहलगाम शहर के पास एक पर्यटक स्थल पर गोलीबारी की, जिसमें 26 लोग मारे गए, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे।

भारत ने पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर पाकिस्तान को कड़ा संदेश देते हुए उसके साथ राजनयिक संबंधों में व्यापक कटौती, सिंधु जल संधि स्थगित करने और अटारी चौकी को बंद किए जाने समेत कई फैसले किए।

अहिंसा एवं पर्यावरण सुरक्षा रैली में अहिंसा व पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जेपीपी अहिंसा फाउंडेशन के तत्वावधान में शनिवार को अहिंसा एवं पर्यावरण सुरक्षा विषय पर एक रैली एवं मुमुक्षु दिलीप धोका के वरघोड़े का आयोजन किया गया। रैली का शुभारंभ जैन समणी डॉ सुयशनिधिजी, डॉ सुगमनिधिजी के सान्निध्य में मुख्य अतिथि नट निर्मापक गंडसी सदानंद, डिफेन्स चंद्रशेखर, सुमत धनंजय आदि द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। रैली के शुभारंभ पर अतिथियों ने फ्रीडम पार्क पर पौधारोपण किया। इस रैली का उद्देश्य जनमानस को अहिंसा के सिद्धांतों को अपनाने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना था। शामिल लोगों ने हाथों में आकर्षक पोस्टर, बैनर एवं नारे लेकर पर्यावरण संरक्षण और अहिंसा के संदेश प्रसारित किए। रैली के दौरान शिविरार्थियों ने धरती बचाओ, पेड़ लगाओ, जीवन बचाओ, अहिंसा ही सबसे बड़ा धर्म है जैसे प्रेरणादायक नारे लगाए।

उपस्थित लोगों ने बच्चों के उत्साह और संदेश को सराहा तथा इस पुनीत कार्य में सहयोग का संकल्प लिया। बच्चों को संबोधित करते हुए डॉ सुयशनिधिजी ने कहा कि अहिंसा न केवल सामाजिक सौहार्द का आधार है, बल्कि पर्यावरण की रक्षा भी हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि छोटे-छोटे प्रयासों से ही हम बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं। शिविर के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए समाज पर संस्कारों द्वारा पड़ रहे प्रभाव के बारे में बताया। जेके महावीरचंद ने रैली में सहयोगी व रैली के लाभार्थी पुष्पराज उदयराज चौरड़िया परिवार, दीक्षार्थी के वरघोड़े के लाभार्थी रमेशचंद पवनकुमार नाहर परिवार को धन्यवाद दिया। इस आयोजन में जयमल शिविर में भाग लेने वाले बच्चों, अभिभावकों एवं स्थानीय नागरिकों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। रैली का समापन कब्बन पार्क में हुआ।

आतंकवादी हमले पर ध्यान केंद्रित करने के बावजूद रामबन बाढ़ पीड़ितों को भुलाया नहीं : उमर अब्दुल्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रामबन/भाषा। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा कि यहां जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर उनके दौरे का उद्देश्य यह संदेश देना है कि उनकी सरकार पहलगाम आतंकवादी हमले पर ध्यान केंद्रित करने के बावजूद प्राकृतिक आपदा के पीड़ितों को नहीं भूली है।

अब्दुल्ला ने यहां आवश्यक सेवाओं की बहाली समेत स्थिति का जायजा लेने के लिए अधिकारियों की एक बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने बैठक के बाद 20 अप्रैल को आपदा में अपनी जमीन और मकान खोने वाले लोगों के लिए सुरक्षित स्थानों पर पांच मरला भूमि देने की घोषणा की।

रामबन में हाल में बादल फटने से अचानक बाढ़ और भूस्खलन के कारण काफी नुकसान हुआ था। इस आपदा में तीन लोगों की मौत हो गई और 600 से अधिक मकान तथा व्यावसायिक इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई थीं। इसके अलावा रामबन कस्बे के निकट मारूग से सेरी तक चार किलोमीटर लंबे मार्ग पर 250 किलोमीटर लंबे रणनीतिक जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग को भी भारी नुकसान पहुंचा है।

पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद फंसे हुए यात्रियों को निकालने के लिए 23 अप्रैल को राजमार्ग को आंशिक रूप से यातायात के लिए बहाल कर दिया गया था। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें ज्यादातर पर्यटक शामिल थे। मुख्यमंत्री ने कहा, ''आज हम यहां कोई बड़ा फैसला लेने नहीं आए हैं। मेरा मकसद लोगों को यह संदेश देना था कि हम उनकी स्थिति से वाकिफ हैं। हम नहीं चाहते कि वे यह सोचें कि हमारा सारा ध्यान पहलगाम पर है और हम रामबन को भूल गए हैं।''

अब्दुल्ला ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद जैसे ही स्थिति सामान्य हुई, उन्होंने रामबन आने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा, ''मैं रामबन आया और जिला प्रशासन के लोगों से मिला और स्थिति का जायजा लिया। राजमार्ग को एक तरफ से यातायात के लिए (23 अप्रैल को) खोल दिया गया। चूंकि हम राजमार्ग पर थोड़ा तेजी से काम करना चाहते हैं, इसलिए कल शायद हम राजमार्ग को एक दिन के लिए फिर से बंद कर दें ताकि बंद सुरंगों में से एक को भी खोला जा सके।''

इसके अलावा उन्होंने कहा कि जीर्णोद्धार कार्य के लिए जो धनराशि जारी की जानी चाहिए थी, वह जम्मू से जारी कर दी गई है। उन्होंने कहा, ''मुझे प्रशासन और उपायुक्त (रामबन बशीर-उल-हक चौधरी) ने बताया है कि कई लोगों के मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं। मैंने उपायुक्त से कहा है कि वे ऐसे परिवारों के पुनर्वास के लिए वैकल्पिक भूमि की तलाश करें, जिन्होंने अपनी जमीन और मकान खो दिए हैं ताकि उन्हें पांच मरला जमीन उपलब्ध कराई जा सके।''

सहज स्मृति योग

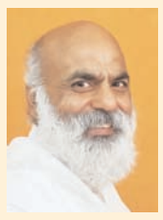

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, अलगाववाद और आतंकवाद का संबंध मजहब से कैसे जुड़ता है? और आज के समय में विधि और निषेध का संतुलन कैसे संभव है?

उत्तर: अलगाववाद का सैद्धांतिक स्रोत उन मजहबों में मिलता है जो सृष्टा को सृष्टि से अलग मानते हैं, पर व्यवहार में इसे अपनाना व्यक्ति के विवेक पर निर्भर करता है। आतंकवाद भी अलगाववाद से जुड़ा है, परन्तु मजहबी समुदाय यदि अतिवाद के विरुद्ध स्पष्ट और निरंतर आवाज़ उठाएँ, तो न तो अलगाववादी तत्त्व मजहब का गलत लाभ उठा सकेंगे, और न ही समुदाय पर समर्थन का संदेह होगा। विधि और निषेध का संतुलन विवेकपूर्ण, संयमित और समयानुकूल आचरण से ही संभव है; पुराने जमाने के नियम आज के जीवन व्यवहार में लागू नहीं हो सकते।

फिटजी ने विद्यार्थियों और अभिभावकों से लिए गए शुल्क का 'गबन' किया : ईडी

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को आरोप लगाया कि फिटजी कोचिंग संस्थान ने हजारों विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों से 200 करोड़ रुपए से अधिक शुल्क एकत्र किए, लेकिन शैक्षणिक सेवा प्रदान नहीं की, जो गंभीर वित्तीय अनियमितता और धन की हेराफेरी का संकेत है।

स्नो स्पोर्ट्स ओलंपिक कार्यक्रम में जीतो नार्थ लेडीज सदस्याओं ने दिखाया उत्साह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो नार्थ लेडीज़ विंग द्वारा शनिवार को स्नो सिटी में स्नो स्पोर्ट्स ओलंपिक कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें 100 से अधिक सदस्याओं ने भाग लिया। संयोजिका साधना धोका और सह-संयोजिका मोना आंचलिया ने कार्यक्रम के बारे बें विस्तार से जानकारी दी। महिला विंग की मुख्य सचिव रक्षा छाजेड़ ने संचालन करते हुए सभी का स्वागत किया। इस कार्यक्रम की कॉमनवेल्थ टेनपिन बॉलिंग चैंपियनशिप-2011 व 2016 में दो बार कांस्य पदक विजेता रहे आकाश अशोककुमार की विशेष उपस्थिति रही। उन्होंने खेलों को जीवन का अहम हिस्सा बताते हुए अनुभव साझा किए तथा बताया कि जल्दी ही वे बॉलिंग खेल की कोचिंग प्रारंभ करेंगे। इस आयोजन में आयोजित विभिन्न स्नो संबंधित प्रतियोगिताओं व गतिविधियों में सदस्याओं ने खूब आनंद उठाया। इस आयोजन में अतिथि के रूप में जेएलडब्ल्यू हाउसहोल्ड बिजनेस मॉडल की शीर्ष संयोजिका बिंदु रायसोनी, पूर्व अध्यक्ष मधु डोशी, नीता गादिया, नंदा बाफना और संगीता मुथा आदि भी उपस्थित थीं।

सर्वम एआई छह महीने में भारत का पहला कृत्रिम मेधा मंच विकसित करेगी

नई दिल्ली/भाषा। लाइटस्पीड उद्यम पूंजी समर्थित सर्वम एआई छह महीने में भारत का पहला कृत्रिम मेधा (एआई) मंच विकसित करेगी। कंपनी के संस्थापक ने यह जानकारी दी। केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भारत के पहले सृजन से जुड़ी कृत्रिम मेधा मंच को विकसित करने के लिए सर्वम एआई के चयन की घोषणा की। वैष्णव ने कहा, हमें विश्वास है कि सर्वम के मॉडल वैश्विक मॉडलों के साथ प्रतिस्पर्धी होंगे। मंत्री ने सर्वम के संस्थापकों से मंच विकसित करने की समयसीमा पूछी तो उन्होंने प्रतिबद्धता जताई कि यह छह महीने में पूरा हो जाएगा। सर्वम के सह-संस्थापक प्रत्युष कुमार ने कहा, भारत के लिए एआई तंत्र का निर्माण हमेशा सर्वम के मिशन का मूल रहा है, जहां हमारा शोध, प्रौद्योगिकी और मॉडल बिल्डरों को देश के लिए समाधान बनाने के लिए सशक्त बनाते हैं।

वृद्धि को बनाए रखने के लिए मजबूत कच्चे माल की रणनीति महत्वपूर्णः कोयला मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। केंद्रीय कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी ने शनिवार को कहा कि वृद्धि को बनाए रखने के लिए एक मजबूत कच्चे माल की रणनीति महत्वपूर्ण है और देश को कोकिंग कोयला और लौह अयस्क जैसी महत्वपूर्ण सामग्रियों की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करनी चाहिए।

इस्पात मंत्रालय और उद्योग मंडल फिक्की द्वारा यहां संयुक्त रूप से आयोजित इंडिया स्टील-2025 प्रदर्शनी और सम्मेलन के छठे संस्करण के समापन दिवस को संबोधित करते हुए रेड्डी ने कहा कि इस्पात भारत की आर्थिक वृद्धि की रीढ़ है और देश के 'विकसित भारत' के सामूहिक दृष्टिकोण का प्रमुख चालक है। बयान के अनुसार, तीन दिवसीय कार्यक्रम में 1,000 से अधिक प्रतिनिधियों, 200 से अधिक प्रदर्शकों ने भाग लिया और नौ सत्र आयोजित किए गए, जिनमें उद्घाटन सत्र सहित भारत और अन्य देशों के 150 से अधिक वक्ता शामिल थे। इस दौरान, तीन समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर किए गए। रेड्डी ने आर्थिक वृद्धि में कोयला और खनन क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए कहा, यदि इस्पात भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, तो कोयला और खनन इसकी नींव हैं। वृद्धि को बनाए रखने के लिए एक मजबूत कच्चे माल की रणनीति महत्वपूर्ण है। हमें कोकिंग कोयला, चूना पत्थर, लौह अयस्क जैसे आवश्यक कच्चे माल और मैग्नीशियम, निकल और क्रोमियम जैसे महत्वपूर्ण तत्वों की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस्पात क्षेत्र की वृद्धि के लिए कोयला क्षेत्र की भी साथ-साथ वृद्धि होना आवश्यक है और आयात को कम करना तथा भारत की इस्पात महत्वाकांक्षाओं को समर्थन देना आवश्यक है। रेड्डी ने कहा, सरकार ने कोयला आयात पर निर्भरता कम करने के लिए मिशन कोकिंग कोयला शुरू किया है, जिसका लक्ष्य 2030 तक 14 करोड़ टन घरेलू कोकिंग कोयला का उत्पादन करना है, जो इस्पात निर्माण में 10-30% तक मिश्रित होगा।

भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारा सभ्यताओं को जोड़ने वाला पुलः कोविंद

दुबई/भाषा। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा है कि भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी) न केवल एक व्यापार मार्ग, बल्कि यह सभ्यताओं को जोड़ने वाला पुल है।

कोविंद ने दुबई में एससीएम (आपूर्ति शृंखला प्रबंधन) पश्चिम एशिया सम्मेलन और पुरस्कार 2025 को संबोधित करते हुए कहा कि जैसे-जैसे दुनिया आपस में जुड़ती जा रही है, इस तरह की साझेदारी न केवल आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देती है, बल्कि हमें उद्देश्य और प्रगति में भी एकजुट करती है। उन्होंने कहा, ''कभी विकासशील देश के रूप में देखा जाने वाला भारत अब वैश्विक वृद्धि के इंजन के रूप में खड़ा है। प्रौद्योगिकी, कूटनीति और नवोन्मेष में अग्रणी है। आइए हम 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना से प्रेरित होकर अपने भाग्य को एक साथ आकार दें।'' लॉजिस्टिक शक्ति द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में भारत, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और आईएमई गलियारे के शीर्ष सीईओ, निवेशक और नीति निर्माताओं सहित 400 से अधिक उद्योग जगत के प्रमुख शामिल हुए। एक अनुमान के अनुसार, भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारा के माध्यम से भारत से यूरोप तक सामान पारंपरिक स्वेज नहर समुद्री मार्ग की तुलना में लगभग 40 प्रतिशत अधिक तेजी से और 30 प्रतिशत कम लागत पर पहुंचाया जा सकेगा। यह वैश्विक व्यापार को दक्ष बनाने पर इस गलियारे के महत्वपूर्ण प्रभाव को बताता है।

लोकतांत्रिक राजनीति वैश्विक स्तर पर मौलिक रूप से बदल गई है : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि दुनिया भर में लोकतांत्रिक राजनीति मौलिक रूप से बदल गई है और एक दशक पहले जो नियम लागू थे, वे अब मान्य नहीं हैं। यहां आयोजित 'भारत समिट 2025' में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि आज के आक्रामक राजनीतिक माहौल में विपक्ष को कुचलना और मीडिया को कमजोर करना ही लक्ष्य बन गया है। 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान अपने अनुभवों को याद करते हुए गांधी ने कहा कि उन्हें एहसास हुआ कि नेता लोगों की आवाज समझने में विफल रहे हैं।

उन्होंने कहा, ''राजनीति, लोकतांत्रिक राजनीति पूरी दुनिया में मौलिक रूप से बदल गई है। मैं कहूंगा कि एक दशक पहले जो नियम लागू थे, वे अब लागू नहीं होते। कभी-कभी, जब मैं पार्टी के युवा सदस्यों से बात करता हूं, तो पाता हूं कि जो चीजें 10 साल पहले प्रभावी थी, जो साधन 10 साल पहले कारगर थे, वे अब कारगर नहीं हैं।'' उन्होंने कहा, ''इसलिए एक तरह से पुराने नेता खत्म हो चुके हैं और एक नए तरह के नेता को गढ़ा जाना चाहिए।'' गांधी ने उल्लेख किया कि उन्हें मूल रूप से शुक्रवार को सम्मेलन को संबोधित करना था, लेकिन इसके बजाय उन्हें कश्मीर जाना पड़ा। उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर भारत के साथ एकजुटता दिखाने के लिए कार्यक्रम के प्रतिनिधियों को धन्यवाद दिया। वैश्विक न्याय, समानता और प्रगतिशील सहयोग पर सार्थक संवाद को बढ़ावा देने पर केंद्रित दो दिवसीय सम्मेलन 'भारत समिट' शुक्रवार को शुरू हुआ।

जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा में आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़, भारी मात्रा में हथियार जब्तः पुलिस

श्रीनगर/भाषा। जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में शनिवार को सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के एक ठिकाने का भंडाफोड़ करते हुए बड़ी संख्या में हथियार और गोला-बारूद जब्त किये। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पहलगाम आतंकी हमले के कुछ दिनों बाद यह हथियार जब्त किए गए हैं।

मंगलवार, 22 अप्रैल को दक्षिण कश्मीर के पर्यटन केंद्र पहलगाम के निकट बैसरन घाटी में आतंकवादियों ने गोलीबारी की, जिसमें 26 लोग मारे गए। इनमें अधिकतर पर्यटक थे।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि विशिष्ट खुफिया सूचना के आधार पर सुरक्षा बलों ने उत्तरी कश्मीर जिले के सेदोरी नाला, मुश्ताकाबाद माछिल के वन क्षेत्र में तलाशी अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान एक आतंकवादी ठिकाने का सफलतापूर्वक पता लगा लिया गया और उसे ध्वस्त कर दिया गया।

अधिकारी ने बताया कि घटनास्थल से भारी मात्रा में हथियार और गोलाबारूद बरामद किया गया है, जिसमें पांच एके-47 राइफलें, आठ एके-47 मैगजीन, एक पिस्तौल, एक पिस्तौल मैगजीन, एके-47 के 660 राउंड, एक पिस्तौल का एक राउंड और एम4 के 50 राउंड शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह एक बड़ी सफलता है।

पंचायत चुनाव उम्मीदवारों को लंबित मामलों की जानकारी देना अनिवार्यः उच्चतम न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के उस फैसले को बरकरार रखा है जिसमें कहा गया था कि पंचायत चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को अपने खिलाफ लंबित मामलों की जानकारी देना अनिवार्य है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने मंडी जिले के पांगना ग्राम पंचायत के प्रधान की बर्खास्तगी को बरकरार रखने के हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के फैसले की पुष्टि करते हुए यह टिप्पणी की। उच्च न्यायालय ने 16 अक्टूबर, 2024 को कहा कि याचिकाकर्ता द्वारा तथ्यों को छिपाना हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 के प्रावधानों के तहत ''भ्रष्ट आचरण'' के बराबर है और यह उनके चुनाव को रद्द घोषित करने का एक और वैध आधार है। शीर्ष अदालत ने कहा, ''जहां तक उच्च न्यायालय के आदेश और निर्णय को याचिकाकर्ता द्वारा दी गई चुनौती का सवाल है, हम इसमें कोई दम नहीं पाते। हम ऐसा इसलिए कह रहे हैं क्योंकि राज्य चुनाव आयोग द्वारा बनाए गए नियमों को उच्च न्यायालय ने अधीनस्थ कानून का हिस्सा माना है, इसलिए पंचायत चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के लिए इसके प्रावधानों का पालन करना अनिवार्य है।'' पीठ ने कहा कि किसी भी मामले में याचिकाकर्ता बसंत लाल के खिलाफ लगाए गए कदाचार के आरोप के लिए अधिनियम, नियमों या विनियमों के किसी भी प्रावधान का संदर्भ देने की आवश्यकता नहीं है। पीठ ने कहा, ''यह ऐसा मामला है, जिसमें उन्होंने जानबूझकर अपने खिलाफ आपराधिक मामले के लंबित होने के तथ्य को छिपाते हुए एक झूठा हलफनामा दाखिल किया। इस तथ्य को छिपाना ही उनके चुनाव को रद्द करने का एक वैध आधार था।'' लाल ने अदालत के समक्ष बताया था कि दो फरवरी, 2025 को एक आपराधिक मामले का खुलासा न करने के कारण उन्हें छह साल की अवधि के लिए चुनाव लड़ने से अयोग्य घोषित किया गया था। हालांकि, पीठ ने उल्लेख किया कि लाल को आपराधिक मामले में बरी कर दिया गया था, जिसका विवरण उन्होंने कथित तौर पर छुपाया था और उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया था।

याचिकाकर्ता को छह वर्ष के लिए अयोग्य ठहराए जाने के मुद्दे पर विचार करते हुए पीठ ने कहा कि यह सजा कठोर है, क्योंकि संबंधित आपराधिक मामले में उसे बरी किया जा चुका है।

पहलगाम आतंकी हमले के संबंध में प्रधानमंत्री मोदी लोगों को मूर्ख बना रहे हैं : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले के संबंध में लोगों को बेवकूफ बना रहे हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री ने हमले के बाद केंद्र द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में भाग नहीं लिया, लेकिन बिहार में एक चुनावी रैली में हिस्सा लिया।

सिद्दरामय्या ने यहां संवाददाताओं से कहा, प्रधानमंत्री को सर्वदलीय बैठक के दौरान वहां होना चाहिए था। वह बिहार में चुनाव प्रचार के लिए गए थे। तो उनके लिए क्या महत्वपूर्ण है? वह लोगों को टोपी पहना रहे हैं (अर्थात लोगों को बेवकूफ बना रहे हैं)। मुख्यमंत्री आतंकवादी हमले पर भारत की प्रतिक्रिया के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे।

सिद्दरामय्या ने कहा, युद्ध की कोई जरूरत नहीं है। हम इसके पक्ष में नहीं हैं। हमें कड़े कदम उठाने चाहिए। बस इतना ही। सुरक्षा बढ़ाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश में शांति होनी चाहिए, लोगों की सुरक्षा होनी चाहिए और केंद्र को सुरक्षा उपाय शुरू करने चाहिए।

केंद्र सरकार की तरफ से राज्यों को पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजने के निर्देश के बारे में पूछे गए सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा, हम सहयोग करेंगे। हम पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजेंगे और केंद्र को इस बारे में सूचित करेंगे। अभी हमारे पास कर्नाटक में मौजूद पाकिस्तानियों की संख्या के बारे में जानकारी नहीं है।

मुख्यमंत्री के अनुसार, पाकिस्तानी नागरिक राज्य के प्रमुख शहरों में हैं, लेकिन उनमें से ज्यादातर बेंगलूरु में हैं। सिद्दरामय्या ने दोहराया कि पहलगाम आतंकी हमला सुरक्षा चूक का नतीजा था। आतंकवादियों ने 22 अप्रैल की दोपहर को कश्मीर के पहलगाम शहर के पास एक पर्यटक स्थल पर गोलीबारी की, जिसमें 26 लोग मारे गए, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे।

खरगे ने पहलगाम आतंकी हमले पर सर्वदलीय बैठक में शामिल न होने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पहलगाम आतंकवादी हमले पर सर्वदलीय बैठक में शामिल नहीं होने के लिए शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आलोचना की और दावा किया कि सरकार ने दिल्ली में आयोजित बैठक में सुरक्षा चूक की बात स्वीकार की थी। खरगे ने पाकिस्तान के साथ 1960 की सिंधु जल संधि को स्थगित करने के संबंध में सरकार से सवाल किया कि वह पानी का भंडारण कहां करेगी। उन्होंने कहा कि इन मुद्दों को अभी नहीं, बाद में उठाया जाएगा। खरगे ने कहा कि सर्वदलीय बैठक में उनके और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सहित सभी राजनीतिक दलों के नेता मौजूद थे।

उन्होंने यहां संवाददाताओं को बताया, बैठक में मैंने सबसे पहला सवाल यही उठाया कि जब सरकार बैठक बुलाती है तो प्रधानमंत्री को उसमें मौजूद रहना चाहिए। चूंकि वे मौजूद नहीं थे, इसलिए हमने कहा कि यह ठीक नहीं है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सर्वदलीय बैठक के प्रति प्रधानमंत्री का रवैया उचित नहीं था क्योंकि पहलगाम आतंकी हमले में कम से कम 26 लोगों की जान चली गई थी और कई अन्य घायल हुए थे। उन्होंने सर्वदलीय बैठक में भाग लेने के बजाय चुनावी राज्य बिहार में रैली को संबोधित करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधा।

खरगे ने कहा, आप बिहार में अपना चुनावी भाषण देने जाते हैं। अगर वह (मोदी) बैठक में भाग नहीं ले रहे हैं तो इसका मतलब है कि वह इसे लेकर गंभीर नहीं हैं। उन्होंने कहा, हिंदी और अंग्रेजी में बात करने के बजाय, आपको हमें यह बताना चाहिए था कि यह (आतंकी हमला) कैसे हुआ, सुरक्षा चूक, खुफिया चूक, या मुखबिरों और पुलिस के स्तर पर चूक। दुर्भाग्य से वह नहीं आए।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) अध्यक्ष ने कहा कि बैठक की अध्यक्षता करने वाले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने स्वीकार किया कि पहलगाम आतंकवादी हमले में सुरक्षा चूक हुई थी जिसमें 26 लोग

मारे गए थे। खरगे ने कहा कि उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी कहा कि वह इस मुद्दे को चुनौती के रूप में लें और ऐसी व्यवस्था करें कि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।

उन्होंने कहा, जो भी चूक हुई है, वह हो गई है, लेकिन भविष्य में हमें ऐसा नहीं होने देना चाहिए। मैंने शाह से कहा कि इसे चुनौती के रूप में लिया जाना चाहिए। सब कुछ सुव्यवस्थित होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि शाह ने सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि भविष्य में ऐसी घटनाएं नहीं होंगी।

खरगे ने अफसोस जताते हुए कहा कि तीन स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद सरकार लोगों की सुरक्षा नहीं कर सकी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा, फिर भी, राष्ट्र और उसकी एकता के दृष्टिकोण से, हमने उनसे कहा कि हम सब एक साथ आएं और देश की सुरक्षा सुनिश्चित करें। हमने यह भी बताया कि हम इस मामले में सरकार के फैसले का समर्थन करने के लिए एकजुट हैं। जब पत्रकारों ने उनसे पूछा कि क्या वह सरकार द्वारा लिए गए निर्णयों से खुश हैं, तो खरगे ने कहा, अभी उन बातों को रेखांकित करने का समय नहीं है। जब परिस्थिति आएगी तो हम बता देंगे, लेकिन अभी उन बातों को बताना ठीक नहीं होगा। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि सरकार के साथ एकजुट होकर खड़ा हुआ जाए और उसके द्वारा लिए गए निर्णयों में गलती न निकाली जाए।

पाकिस्तान के साथ 1960 की सिंधु जल संधि को स्थगित रखने के भारत के फैसले पर खरगे ने कहा, अगर आप (सरकार) पानी रोकने का फैसला करते हैं, तो आप इसका भंडार कहां करेंगे? क्या हमारे पास ऐसे बांध हैं? लेकिन ये सवाल बाद में उठेंगे, अभी नहीं।

उद्घाटन

डॉ. अंबेडकर और डॉ. बाबू जगजीवन राम की जयंती पर शनिवार को पेरियापटना विधानसभा क्षेत्र में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने विभिन्न विभागों के विकास कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण किया। इस अवसर पर मंत्री के. वेंकटेश, एच. सी. महादेवप्पा, बैराती सुरेश, डॉ. एम. सी. सुधाकर, सुधाकर, विधायक यतींद्र और अन्य उपस्थित थे।

इसरो 'इंटरनेशनल चार्टर स्पेस एंड मेजर डिजास्टर' में अग्रणी भूमिका निभाएगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारत ने इसरो के माध्यम से अप्रैल 2025 से छह महीने के लिए 'इंटरनेशनल चार्टर स्पेस एंड मेजर डिजास्टर' में अग्रणी भूमिका निभाकर एक बार फिर अंतरिक्ष आधारित आपदा प्रबंधन में अपनी पहल का प्रदर्शन किया। अंतरिक्ष एजेंसी ने शनिवार को यह बात कही।

इसने कहा कि इस प्रमुख भूमिका की अवधि राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र (एनआरएससी)/इसरो द्वारा 14-17 अप्रैल के दौरान हैदराबाद में चार्टर की 53वीं बैठक के आयोजन के साथ शुरू हुई।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अनुसार, इसमें अंतरिक्ष आधारित आपदा प्रबंधन गतिविधियों में संलग्न प्रमुख वैश्विक अंतरिक्ष एजेंसियों की भागीदारी देखी गई, जिसमें 22 विदेशी प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने 'इंटरनेशनल चार्टर' के बोर्ड सदस्यों को संबोधित किया और आपदा प्रबंधन सहायता के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के उपयोग में चार्टर के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

कलबुर्गी में एटीएम लूटने वाले मेवात गिरोह के दो लुटेरे मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

कलबुर्गी। कर्नाटक के कलबुर्गी जिला मुख्यालय शहर में दो सप्ताह पहले एटीएम लूटने के मामले में शामिल हरियाणा के दो लुटेरों को शनिवार तड़के मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। लुटेरों की पहचान हरियाणा के मेवात के रहने वाले तस्लीम (28) और शरीफ (22) के रूप में हुई है तथा वे मेवात गिरोह के सदस्य हैं।

कलबुर्गी के पुलिस आयुक्त शरणप्पा एस. डी. ने कहा कि पुलिस ने आत्मरक्षा में गिरोह के सदस्यों पर गोलियां चलाईं, जो हाल ही में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के एटीएम में गैस कटर का उपयोग करके 18 लाख रुपये लूटने के मामले में शामिल थे। उन्होंने कहा कि दिल्ली की पंजीकरण संख्या वाली एक संदिग्ध कार के बारे में सूचना मिलने पर पुलिस ने वाहन का पता लगाया और शहर के बाहरी इलाके में उसे रोकने का प्रयास किया।

पुलिस अधिकारी ने संवाददाताओं से कहा, जब संदिग्धों ने अधिकारियों पर हमला किया तो पुलिस ने आत्मरक्षा में गोलियां चलाईं, जिससे दो संदिग्धों तस्लीम और शरीफ के पैर में गोली लग गई। मुठभेड़ के दौरान पीएसआई बसवराज और कांस्टेबल राजू, मंजूनाथ व फिरोज भी घायल हो गए।

भड़काऊ सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर मंगलूरु में व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज

मंगलूरु। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले से संबंधित एक भड़काऊ फेसबुक पोस्ट के लिए एक व्यक्ति के खिलाफ यहां एक मामला दर्ज किया गया है। इस पोस्ट का उद्देश्य कथित तौर पर सार्वजनिक शांति भंग करना था। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि उल्लाल तालुक के उल्लालथी के रहने वाले सतीश कुमार द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत में पोस्ट के स्क्रीनशॉट और निचु मंगलूरु' नाम के खाते की उपयोगकर्ता प्रोफाइल शामिल है।पुलिस के अनुसार, शिकायत के आधार पर कोनाजे थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 192 (दंगा भड़काने के इरादे से जानबूझकर उकसाना) और 353 (1) (बी) (जो कोई भी इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों सहित कोई बयान, झूठी सूचना, अफवाह या रिपोर्ट बनाता, प्रकाशित या प्रसारित करता है) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

मेंगलूरु रिफाइनरी का शुद्ध लाभ चौथी तिमाही में 68 प्रतिशत घटकर 363 करोड़ रुपये पर

मेंगलूरु। मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लि. (एमआरपीएल) का शुद्ध लाभ बीते वित्त वर्ष 2024-25 की मार्च तिमाही में 68 प्रतिशत घटकर 363 करोड़ रुपये रहा। मुख्य रूप से रिफाइनिंग मार्जिन में गिरावट के कारण कंपनी का लाभ कम हुआ है। कंपनी ने शनिवार को एक बयान में कहा कि एक साल पहले 2023-24 की इसी तिमाही में उसे 1,137 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। सार्वजनिक क्षेत्र की ऑयल एवं नेचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) की अनुषंगी कंपनी ने चौथी तिमाही में कच्चे तेल के प्रत्येक बैरल को ईंधन में बदलने पर 6.23 डॉलर कमाए, जबकि एक साल पहले इसका सकल रिफाइनिंग मार्जिन 11.35 डॉलर प्रति बैरल था। तेल की कम कीमतों के कारण कंपनी की परिचालन आय 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में घटकर 27,601 करोड़ रुपये रही जो एक साल पहले इसी तिमाही में 29,190 करोड़ रुपये थी।

पटाखों में विस्फोट के कारण चार लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सेलम। तमिलनाडु में सेलम जिले के कंजनाइकेनपट्टी गांव में शुक्रवार रात एक मंदिर के पास दुर्घटनावश पटाखों में विस्फोट होने से दो बच्चों समेत तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए तीन-तीन लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की शनिवार को घोषणा की। पुलिस ने बताया कि द्रौपदी अम्मन मंदिर में उत्सव के दौरान इस्तेमाल के लिए एक दोपहिया वाहन पर बोरी में भरकर ले जाए जा रहे पटाखों में शुक्रवार रात करीब आठ बजकर 50 मिनट पर कंजनाइकेनपट्टी गांव के पूसारीपट्टी बस अड्डे के पास आग लग गई और उनमें विस्फोट हो गया।

पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, यह घटना उस समय हुई जब एक व्यक्ति पटाखों की जांच करने का प्रयास कर रहा था। उन्होंने बताया कि यह दुर्घटना मंदिर से लगभग एक किलोमीटर दूर हुई जहां बड़ी संख्या में लोग उत्सव के लिए एकत्र हुए थे। मृतकों की पहचान कंजनाइकेनपट्टी में कोट्टामेडु के सेल्वराज (29) और गुरुवल्लियुर के 11 वर्षीय दो बच्चों के रूप में हुई है। इसके अलावा एक अन्य युवक की मौत सेलम सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में हुई।

मुख्यमंत्री ने एक बयान में कहा, ''यह दुखद समाचार सुनकर मुझे बहुत दुख हुआ।

मैं उन परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना और सहानुभूति व्यक्त करता हूं जिन्होंने अपने परिजनों को खो दिया।'' उन्होंने मृतकों के परिवारों को मुख्यमंत्री जन राहत कोष से तीन-तीन लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की।

'ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम' के महासचिव ई के पलानीस्वामी ने कहा, कंजनाइकेनपट्टी गांव में एक मंदिर में उत्सव के दौरान पटाखा दुर्घटना में चार लोगों की मौत की दुखद खबर दर्दनाक है।

इसरो ने 'चंद्रयान-4' मिशन पर राष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन का आयोजन किया

बेंगलूरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने आगामी चंद्रयान-4 मिशन के संदर्भ में चंद्र नमूना विज्ञान के संभावित पहलुओं पर चर्चा के लिए एक राष्ट्रीय बैठक की। इसरो ने शनिवार को यह जानकारी दी। इस मिशन का उद्देश्य चंद्रमा से नमूने पृथ्वी पर लाना है। इसरो ने बताया कि 16 अप्रैल को की गई इस बैठक में उल्कापिंड के नमूनों, स्थलीय एनालॉग एवं चंद्र मृदा का विश्लेषण करने वाले चंद्रमा विज्ञान समुदाय ने भाग लिया। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि प्रतिभागियों में लगभग 50 वैज्ञानिक शामिल थे जिनमें से लगभग 50 प्रतिशत देश भर के 12 अनुसंधान और शैक्षणिक संस्थानों (अंतरिक्ष विभाग के बाहर) से थे। इसरो के वैज्ञानिक सचिव एम गणेश पिल्लई ने कार्यक्रम के दौरान चंद्रयान-4 मिशन के संदर्भ में राष्ट्रीय बैठक के महत्व पर जोर दिया।

इसरो और श्री चित्रा तिरुनाल संस्थान ने अंतरिक्ष चिकित्सा संबंधी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने श्री चित्रा तिरुनाल आयुर्विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (एससीटीआईएमएसटी) के साथ अंतरिक्ष चिकित्सा में सहयोग संबंधी समझौता ज्ञापन 'रूपरेखा' पर हस्ताक्षर किए हैं। इसरो ने शनिवार को यह जानकारी दी। इसरो ने एक बयान में कहा कि यह साझेदारी देश में अंतरिक्ष चिकित्सा और उसका इस्तेमाल करने की दिशा में एक मील का पत्थर है।

अंतरिक्ष एजेंसी के अनुसार, भारतीय मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम गगनयान इसरो का एक राष्ट्रीय प्रयास है जो मानव स्वास्थ्य के क्षेत्र में अनुसंधान, सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण के क्षेत्र में अनुसंधान, अंतरिक्ष चिकित्सा एवं अंतरिक्ष जीव विज्ञान के क्षेत्र में विभिन्न राष्ट्रीय एजेंसी, शिक्षाविदों और उद्योग को एक अनूठा अवसर प्रदान करता है।

इसरो ने कहा, इसरो और एससीटीआईएमएसटी के बीच इस रूपरेखा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर से अंतरिक्ष चिकित्सा के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। इससे राष्ट्रीय मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम को लाभ होगा तथा साथ ही मानव शारीरिक अध्ययन, व्यावहारिक स्वास्थ्य अध्ययन, जैव चिकित्सा सहायता प्रणाली, विकिरण जीवविज्ञान एवं चिकित्सा, अंतरिक्ष वातावरण में मानव स्वास्थ्य और प्रदर्शन में सुधार के लिए उपाय, टेलीमेडिसिन एवं संचार प्रोटोकॉल और अंतरिक्ष मिशनों के लिए चालक दल की चिकित्सा किट के क्षेत्र में नवोन्मेष और विकास को बढ़ावा मिलेगा। इस कार्यक्रम से खासकर अंतरिक्ष चिकित्सा के क्षेत्र में अध्ययन और प्रयोगों के अवसर पैदा होंगे।

इसरो के अध्यक्ष वी नारायणन ने इस बात पर जोर दिया कि राष्ट्रीय मानव अंतरिक्ष उड़ान प्रयास गगनयान का उद्देश्य अंतरिक्ष पर्यावरण में मानव अनुसंधान के क्षेत्र में राष्ट्र की क्षमता को बढ़ाना है।

उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि बाह्य अंतरिक्ष के प्रतिकूल वातावरण में मानव स्वास्थ्य और कार्य क्षमता को बनाए रखना दीर्घकालिक मानव अंतरिक्ष मिशन की सफलता के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

कैंडल मार्च

केपीसीसी युवा कांग्रेस के अध्यक्ष मंजूनाथ गौड़ा, कर्नाटक कांग्रेस के नेताओं के साथ मैसूरु में पहलगाम आतंकी हमले में निर्दोष पर्यटकों पर हुए जघन्य हमले के विरोध में कैंडल मार्च में भाग लेते हुए।

सोना तस्करी मामला : अभिनेत्री रान्या राव को झटका, हाईकोर्ट ने जमानत की खारिज

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव को सोना तस्करी मामले में तगड़ा झटका लगा है। दरअसल, कर्नाटक उच्च न्यायालय ने शनिवार को उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी। वहीं, इस मामले में दूसरे आरोपी तरुण राजू को भी जमानत देने से इनकार कर दिया है। न्यायमूर्ति सावनूर विश्वजीत शेट्टी की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस संबंध में आदेश पारित किया। इस मामले में रान्या राव की जमानत याचिका अदालत दो बार खारिज कर चुकी है। इस बीच, उन पर विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी गतिविधियों की रोकथाम अधिनियम, 1974 (सीओएफईपीओएसए) के तहत मामला दर्ज किया गया है। इसके तहत केंद्र या राज्य सरकार किसी व्यक्ति को अधिकतम 1 साल तक हिरासत में रख सकती है।

केंद्रीय आर्थिक खुफिया ब्यूरो (सीईआईबी), जो वित्त मंत्रालय के तहत काम करने वाली एक मुख्य एजेंसी है, ने एक्ट्रेस और अन्य आरोपियों के खिलाफ सीओएफईपीओएसए अधिनियम लागू किया है। सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय एजेंसियों ने यह कदम रान्या राव और मामले में अन्य द्वारा जमानत प्राप्त करने के बार-बार प्रयासों के बाद उठाया है।

अन्य आरोपी तरुण राजू और साहिल सकारिया जैन पर भी सीओएफईपीओएसए अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी रामचंद्र राव की सौतेली बेटी रान्या राव को 14.2 किलोग्राम सोने की तस्करी के आरोप में 3 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। सोने की कीमत 12.56 करोड़ रुपये से अधिक आंकी गई।

रान्या राव और मामले के अन्य दो आरोपी फिलहाल बेंगलूरु सेंट्रल जेल में बंद हैं। मामले की जांच डीआरआई, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा की जा रही है। राज्य सरकार ने डीजीपी रामचंद्र राव की भूमिका की जांच के लिए एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी के नेतृत्व में स्पेशल टीम बनाई है। सूत्रों ने बताया कि इस संबंध में रिपोर्ट सरकार को सौंप दी गई है। डीआरआई के सोने की तस्करी मामले की जांच से पता चला है कि अभिनेत्री मामले के तीसरे आरोपी जैन संग हवाला लेनदेन में शामिल थी।

भाजपा ने सीईटी के दौरान 'जनेऊ' उतरवाए जाने के खिलाफ एनएचआरसी में शिकायत दर्ज कराई

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इंजीनियरिंग सहित व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए आयोजित सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीईटी) के दौरान ब्राह्मण लड़कों के 'जनेऊ' और लिंगायत छात्रों के 'शिवदारा' को कथित रूप से उतरवाए जाने को लेकर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) में शिकायत दर्ज कराई है। यह परीक्षा 16 अप्रैल को आयोजित की गई थी।

कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक ने अपनी शिकायत में इस घटना को प्रतियोगी परीक्षाओं के दौरान हिंदू छात्रों के साथ चुनिंदा और ''भेदभावपूर्ण व्यवहार'' करार दिया। उन्होंने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर शिकायती पत्र की एक प्रति साझा की। अशोक ने दावा किया कि सीईटी और इसी तरह की अन्य परीक्षाओं के दौरान, कई हिंदू छात्रों के 'जनेऊ' और 'शिवदारा' (रुद्राक्ष की माला वाला धागा) जैसे धार्मिक प्रतीकों को हटाने के लिए मजबूर किया गया था।

बीकानेर दौरे पर बीएसएफ आईजी गर्ग बोले, सीमाएं पूरी तरह सुरक्षित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर । जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले के बाद देशभर में सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर हैं। इसी क्रम में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) राजस्थान फ्रंटियर के महानिरीक्षक (आईजी) एमएल गर्ग ने शुक्रवार को बीकानेर का दौरा कर सीमा क्षेत्रों की सुरक्षा तैयारियों का जायजा लिया। आईजी गर्ग ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि सीमा पार से होने वाली हर गतिविधि पर कड़ी नजर रखी जा रही है। उन्होंने आश्वस्त किया, हमारी सीमाएं पूरी तरह सुरक्षित हैं और किसी भी आतंकी या अवांछित गतिविधि का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए बीएसएफ पूरी तरह तैयार है। उन्होंने आमजन से डरने के बजाय सतर्क रहने की अपील भी की।

आईजी गर्ग ने बताया कि सीमा क्षेत्र में ड्रोन टेक्नोलॉजी का व्यापक उपयोग करते हुए निगरानी को और मजबूत किया गया है। उन्होंने कहा, चप्पे-चप्पे पर हमारी नजर है। ड्रोन से संदिग्ध गतिविधियों पर तुरंत कार्रवाई की जा रही है। भीषण गर्मी के मद्देनजर जवानों के स्वास्थ्य की चिंता को ध्यान में रखते हुए बीएसएफ ने सभी बीओपी (बॉर्डर आउट पोस्ट) पर कूल रूम स्थापित किए हैं। साथ ही नर्सिंग असिस्टेंट्स की तैनाती कर तत्काल चिकित्सा सुविधाएं भी मुहैया कराई जा रही हैं। गर्ग ने बताया कि सीमा क्षेत्र का तापमान वर्तमान में 44 डिग्री तक पहुंच चुका है और मौसम विभाग के अनुसार यह 56 डिग्री तक जा सकता है। उन्होंने कहा, जवानों का स्वास्थ्य हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बीएसएफ द्वारा सीमावर्ती गांवों के विकास में भी सक्रिय योगदान दिया जा रहा है। गर्ग ने बताया, हम न केवल सीमाओं की सुरक्षा कर रहे हैं, बल्कि गांवों में सड़क, बिजली और रोजगार जैसी बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए भी लगातार प्रयास कर रहे हैं। आईजी गर्ग ने यह भी जानकारी दी कि श्रीगंगानगर जिले में स्मार्ट फेंसिंग का कार्य शुरू कर दिया गया है, जिसे शीघ्र ही पूरे राजस्थान सीमा क्षेत्र में विस्तारित किया जाएगा। उन्होंने कहा, स्मार्ट फेंसिंग से घुसपैठ और तस्करी जैसी गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सकेगा।

सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील करते हुए उन्होंने कहा, देश की सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हैं और समन्वय से कार्य कर रही हैं। घबराने की आवश्यकता नहीं है, केवल सतर्क रहना जरूरी है। बीकानेर दौरे के दौरान आईजी गर्ग ने सेक्टर मुख्यालय में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की और एसपी कवेंद्र सागर, कमांडेंट एन.एम. शर्मा, डीसीजी महेश चंद्र जाट तथा खुफिया एजेंसियों के अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक भी की। बैठक में संभावित खतरों और सुरक्षा समन्वय को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। इस अवसर पर डीआईजी इंटेलिजेंस विदुर भारद्वाज भी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व आईजी गर्ग ने जैसलमेर और बाड़मेर के सीमावर्ती क्षेत्रों का भी दौरा कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया था, जो बीएसएफ की लगातार सतर्कता और तत्परता का प्रमाण है।

बालमुकुंद आचार्य पर मस्जिद के अंदर नारेबाजी करने का आरोप, विधायक ने खंडन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर में भारतीय जनता पार्टी के विधायक बालमुकुंद आचार्य पर एक मस्जिद में समुदाय विशेष के खिलाफ नारेबाजी करने तथा पोस्टर लगाने के आरोप के बाद विवाद खड़ा हो गया। यहां के जौहरी बाजार इलाके में शुक्रवार देर रात बड़ी संख्या में लोगों ने इसको लेकर प्रदर्शन किया जिससे तनाव जैसी स्थिति पैदा हो गया। हालांकि, पुलिस ने हालात को संभाल लिया। इस बीच, विधायक बालमुकुंद आचार्य ने इन आरोपों का खंडन किया है। विधायक ने कहा कि उन्होंने पहलगाम (जम्मू-कश्मीर) में हुए आतंकी हमले के विरोध में दिन में बड़ी चौपड़ पर सर्व हिन्दू समाज के आह्वान पर जन आक्रोश सभा में सम्मिलित होकर मारे गए बेगुनाह लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

पुलिस उपायुक्त (उत्तर) राशि डोगरा ने शनिवार को कहा, बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हुए थे और भाजपा विधायक के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए नारेबाजी की। स्थिति को शांतिपूर्ण तरीके से नियंत्रित कर लिया गया। विरोध प्रदर्शन शुरू होते ही किशनपोल से कांग्रेस विधायक अमीन कागजी और आदर्श नगर से कांग्रेस विधायक रफीक खान भी प्रदर्शनकारियों को समर्थन देने के लिए मौके पर पहुंचे। आंदोलनकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने इस मामले को लेकर पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसेफ से मुलाकात की। बाद में रात में जामा मस्जिद कमेटी के सदस्य की शिकायत पर माणक चौक थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई।

आरोप है कि विधायक आचार्य और उनके समर्थक रात की नमाज के दौरान मस्जिद में

घुसे और एक समुदाय को निशाना बनाते हुए नारे लगाए, मस्जिद की सीढ़ियों पर आपत्तिजनक पोस्टर चिपकाए और धमकी दी। जामा मस्जिद कमेटी के सचिव जहीर उल्लाह खान ने कहा, हम रात की नमाज अदा कर रहे थे, तभी बालमुकुंद आचार्य मस्जिद में घुसे, नारे लगाए और सीढ़ियों पर आपत्तिजनक पोस्टर चिपकाए। बाद में हमने पुलिस आयुक्त से मुलाकात की और प्राथमिकी दर्ज कराई। घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए आचार्य ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि उन्होंने पहलगाम आतंकवादी हमले के खिलाफ दिन में एक विरोध प्रदर्शन में भाग लिया था।

आचार्य ने पोस्ट कर कहा, पहलगाम (जम्मू-कश्मीर) में हुए आतंकी हमले के विरोध में कल जयपुर की बड़ी चौपड़ पर सर्व हिन्दू समाज के आह्वान पर जन आक्रोश सभा में सम्मिलित होकर मारे गए बेगुनाह लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की और जयपुर के बंधु भगिनी के साथ बैठकर 'पाकिस्तान मुर्दाबाद, आतंकवाद मुर्दाबाद' के तीखे नारों से इस घटना पर विरोध प्रकट किया। उन्होंने कहा, आज देश का हर नागरिक इस हमले से आक्रोशित है और आतंकियों की पनाह स्थली पाकिस्तान पर कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहा है। सभा में जयपुर के हजारों लोगों ने एक साथ आकर अपना रोष व्यक्त किया।

वहीं पुलिस के अनुसार इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारियों से शिकायत पर पुलिस कार्रवाई का आश्वासन मिलने के बाद मस्जिद के बाहर मौजूद भीड़ शांतिपूर्वक तितर-बितर हो गई। पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकवादी हमले के बाद कुछ इलाकों में तनाव देखा जा रहा है। इस आतंकवादी हमले में 26 पर्यटकों की मौत हो गई। हिंदू रक्षा दल ने देहरादून में रहने वाले कश्मीरी छात्रों को ऑनलाइन माध्यम से धमकियां दी जिसमें उन्हें तुरंत राज्य छोड़ने के लिए कहा गया। वहीं आगरा में एक रेस्तरां कर्मचारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई और उसके सहकर्मी को घायल कर दिया गया। आरोपी ने दावा किया कि उसने यह पहलगाम हमले का बदला लेने के लिए किया।

विशेष योग्यजन राष्ट्र की पूंजी, इन्हें सम्मान दे : वासुदेव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि विशेष योग्यजन राष्ट्र की पूंजी और धरोहर है। लोगों को इन्हें सम्मान देना चाहिए। परिवार, समाज और चिकित्सा के सहयोग से ही हम वातावरण को बदल सकते है। उन्होंने कहा कि दिवयांग्ता अभिशाप नहीं है। यह चुनौती है। विशेष योग्यजन व्यक्ति में एक कमी के बावजूद दूसरी क्षमता अपार होती है, जिससे उनका जीवन उज्ज्वल बन सकता है। ऐसे बच्चों को प्यार, स्नेह, सम्मान, समझ, समर्पण और समान अवसर दिये जाने की आवश्यकता है। देवनानी शनिवार को पंचायती राज संस्थान में शारदा शिक्षा एवं विकास समिति द्वारा आयोजित सेरेब्रल पालसी रोग ग्रसित विशेष योग्यजन बच्चों के उपचार हेतु आयोजित नि:शुल्क चिकित्सा शिविर और संगोष्ठि को सम्बोधित कर रहे थे। देवनानी ने कहा कि विशेष योग्यजन बच्चों को मुख्यधारा में लाने की आवश्यकता है, ताकि उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जा सके। इस पुण्यदायि कार्य में प्रत्येक व्यक्ति को सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए। समारोह को डॉ. तरल नागदा, वैध गोपेश बंसल और श्रीमती नीलम शर्मा ने भी सम्बोधित किया।

जोधपुर में केमिकल फैक्ट्री में आग लगने से भारी नुकसान

जोधपुर। राजस्थान में जोधपुर शहर के बासनी थाना क्षेत्र में औद्योगिक क्षेत्र में एक केमिकल फैक्ट्री में शनिवार को अचानक भीषण आग लग जाने से भारी नुकसान होने का अनुमान है। पुलिस उपाधीक्षक छवी शर्मा ने बताया कि बासनी इलाके में आज एक केमिकल फैक्ट्री में अचानक आग लग गयी। फैक्ट्री में रखे ज्वलनशील पदार्थ के आग पकड़ने से आग ने विकराल रूप ले लिया। इसके बाद आग ने पास की एक अन्य फैक्ट्री को भी चपेट में ले लिया। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। उन्होंने बताया कि आग को बुझाने के लिए जोधपुर नगर निगम, एयर फोर्स, सेना सहित आस पास की विभिन्न 60 से अधिक दमकल वाहनों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। उन्होंने बताया कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुयी है। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

ऊंट की तस्करी करते दो आरोपी गिरफ्तार

जैसलमेर। राजस्थान में जैसलमेर जिले के सांकड़ा थाना क्षेत्र में पुलिस ने राज्य पशु ऊंट की तस्करी करते दो आरोपियों को गिरफ्तार करके 16 ऊंटों को मुक्त कराया है। पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने बताया कि शुक्रवार को पुलिस दल ने नाकाबंदी के दौरान एक सन्दिग्ध ट्रक कन्टेनर को रुकवा कर उसकी जांच की तो उसमें निर्दयतापूर्वक मुंह एवं पैर बंधे हुए 16 ऊंट पाये गये। उन्होंने बताया कि इस पर आरोपी ट्रक ड्राइवर सहुद (32) और खलासी अबरार (30) को गिरफ्तार किया गया। दोनों हरियाणा के निवासी हैं।

कई इलाकों में हल्की बारिश व आंधी का अनुमान

जयपुर। पश्चिमी विक्षोभ के असर से राज्य के कई इलाकों में हल्की बारिश और आंधी चलने का अनुमान है जिससे लोगों को भीषण गर्मी से कुछ राहत मिल सकती है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। आईएमडी के अनुसार एक नए पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 26 अप्रैल को जयपुर, भरतपुर व कोटा संभाग के कुछ भागों में अपराह्न बाद मेघ गर्जन व हल्की बारिश होने तथा 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। इसने बताया कि मई के प्रथम सप्ताह में पूर्वी हवाएं प्रभावी होने व दूसरा पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से आंधी-बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होगी तथा तापमान में कमी होने से लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिलेगी। शनिवार सुबह तक चौबीस घंटे की अवधि में राज्य में मौसम शुष्क रहा तथा जयपुर व बीकानेर संभाग में कहीं-कहीं उष्ण लहर चली। आईएमडी ने कहा कि इस दौरान सर्वाधिक अधिकतम तापमान पिलानी में 44.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जो सामान्य से 6.3 डिग्री अधिक है जबकि सर्वाधिक न्यूनतम तापमान नागौर में 29.9 डिग्री सेल्सियस रहा।

शासन सचिव ने कृषि उपज मण्ड़ी का किया निरीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल ने शनिवार को कृषि उपज मण्ड़ी समिति (अनाज) सीकर रोड, जयपुर का भ्रमण कर मण्ड़ी कार्यालय, एसेयिंग लैब, किसान कलेवा योजना के संचालन, मण्ड़ी व्यवस्थाओं, सार्वजनिक सुविधाओं, आधारभूत संरचनाओं, मंडी प्रांगण में नीलामी प्रक्रिया एवं मंडी प्रांगण में स्थित कृषि प्रसंस्करण इकाई का निरीक्षण किया। प्रमुख शासन सचिव ने मण्ड़ी कार्यालय का निरीक्षण कर नियमन एवं ई-नाम व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।

साथ ही मण्ड़ी प्रवेश पत्र, मण्ड़ी समिति द्वारा बही प्रमाणीकरण, कृषक कल्याण शुल्क जमा कराने आदि प्रक्रियाओं की जानकारी मण्ड़ी प्रशासन से ली।

उन्होंने मण्ड़ी प्रांगण में वाहनों के आवागमन, पार्किंग व्यवस्था, अनाज नियमन व्यवस्था, व्यवसायियों एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मण्ड़ी में साफ-सफाई, रोशनी एवं पेयजल आदि व्यवस्थाओं का अवलोकन कर सुविधाऐं बेहतर रखने हेतु मण्ड़ी अधिकारियों को निर्देशित किया। किसान कलेवा योजना में प्रतिदिन भोजन करने वाले पल्लेदारों व हम्मालों की कूपन व्यवस्था को और अधिक सुचारु करने, प्रतिदिन का रजिस्ट्रेशन संधारित करने और इस योजना का लाभ लेने वालों सहित अन्य पल्लेदारों व हम्मालों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना से लाभान्वित करने के निर्देश दिए।

शासन सचिव ने नीलामी प्रक्रिया का निरीक्षण कर व्यापारियों को ईनाम से जोड़ने, ट्रेंड करने, ई पेमेंट करने व योजना के क्रियान्वयन में आ रही परेशानियां को दूर करने हेतु मंडी समिति के अधिकारियों से कहा। उन्होंने ईनाम व्यवस्था के अंतर्गत ग्रेन मोरफ़ोलॉजी मशीन से प्राप्त परिणामों में कृषि जींस की ग्रेड निर्धारित करने हेतु आवश्यक कार्रवाई करने के लिए कहा। राजन विशाल ने कृषि प्रसंस्करण इकाई का निरीक्षण कर इकाई की कार्य प्रणाली, उपयोग में आने वाली जिंसों का निरीक्षण किया तथा प्रसंस्करण करता को राजस्थान सरकार व केंद्र सरकार की अन्य योजना का लाभ दिलाने हेतु मंडी सचिव को निर्देशित किया। उन्होंने समस्त मंडी अधिकारियों व कर्मचारियों को जनहित में तत्पर रहते हुए ईमानदारी के साथ समयबद्ध कार्य करने के लिए कहा। इस दौरान क्षेत्रीय संयुक्त निदेशक, खंड जयपुर महिपाल सिंह, सचिव, राजधानी कृषि उपज मंडी (अनाज) भगवान सहाय जाटवा सहित अन्य मंडी अधिकारी उपस्थित रहे।

अब कोई नहीं कर सकेगा राष्ट्र नायकों का अपमान : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले की सराहना करते हुए कहा कि अब कोई भी राष्ट्र नायकों का अपमान नहीं कर सकेगा। उन्होंने कहा कि कुछ दलों के नेतागण ने देश के नायकों के अपमान का सिलसिला जारी रख एक माहौल बनाने की कोशिश की थी। ऐसे लोगों को सुप्रीम कोर्ट के फैसले से मुंह तोड जवाब मिला है। देवनानी ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को केन्द्र में रखते हुए कहा कि कुछ लोगों ने नई पीढी के सामने नायकों के प्रति अश्रृदधा का भाव रखा। उन्होंने कहा कि देश के लिए त्याग और बलिदान करने वाले नायक सभी लोगों के लिए आदरणीय है। वीर सावरकर ने अण्डमान एवं निकोबार में राष्ट्र के लिए यातनाएं सहन की थी। वहीं राणा सांगा ने राष्ट्र के लिए अपने शरीर में अस्सी घाव झेले थे। नई पीढी को स्वतंत्रता सैनानियों के त्याग और बलिदान के बारे में बताना होगा। उन्होंने कहा है कि वीर सावरकर महान राष्ट्र भक्त थे। उन्होंने अभिनव भारत नामक एक क्रांतिकारी संगठन बनाया था। विदेशी वस्त्रों की होली जलाई थी। वे ऐसे लेखक थे, जिनकी पुस्तक को प्रकाशित होने से पहले ही ब्रिटिश साम्राज्य की सरकारों ने प्रतिबन्धित कर दिया था। उन्होंने कहा कि देश के नायकों के साथ राजनीति नहीं होनी चाहिए। राष्ट्र नायकों का अपमान देश कभी सहन नहीं करेगा। स्वतंत्रता सैनानियों की जीवनी और उनके द्वारा स्वतन्त्रता आन्दोलन में दिये गये योगदान के बारे में समाचार पत्रों को आलेख प्रकाशित करने चाहिए, ताकि लोग उनको समझ सके। राष्ट्र नायक भावी पीढी के आदर्श बन सके। देवनानी ने कहा कि राजस्थान सरकार में शिक्षा मंत्री के दायित्व के दौरान उन्होंने वीर सावरकर को पाठ्यक्रम में जोडा था। देवनानी शनिवार को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान के सभागार में एसोसिएशन ऑफ स्माल एण्ड मीडियम न्यजपेपर्स ऑफ इण्डिया के 31वें राष्ट्रीय अधिवेशन और पांच दशक तक पत्रकारिता करने वाले वरिष्ठ पत्रकारों के अभिनन्दन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे।

कोटा में मृत मिला छात्र इस बार 'नीट' परीक्षा नहीं देना चाहता था

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) की तैयारी कर रहे जिस छात्र का शव पिछले दिनों कोटा में मिला वह इस बार इम्तिहान में नहीं बैठना चाहता था। वह तैयारी के लिए एक साल और चाहता था। छात्र के दुखी माता पिता ने यह बात बताई। दिल्ली के तुगलकाबाद में बढ़ई का काम करने वाले रंजीत शर्मा यहां एक अस्पताल के मुर्दाघर के बाहर बैठे-बैठे बेकाबू होकर रोने लगते हैं। वह अपने बेटे का शव मिलने का इंतजार कर रहे हैं। शर्मा कुछ दिन पहले अपनी पत्नी के साथ बेटे को कुछ दिन के लिए घर ले जाने यहां आए थे लेकिन तब उसने मना कर दिया था। माता-पिता के अनुसार उनके बेटे रोशन शर्मा (23) ने चार मई की नीट-यूजी परीक्षा से कुछ हफ्ते पहले अचानक उनसे कहा था कि वह इस साल परीक्षा नहीं देगा।

उनके दिल्ली लौटने के तीन दिन बाद ही बृहस्पतिवार तड़के उनके बेटे का शव यहां रेल लाइन के पास झाड़ियों से बरामद किया गया। रंजीत शर्मा ने नम आंखों से बताया कि उनका बेटा पिछले तीन साल से नीट की तैयारी कर रहा था और हाल ही में उसने अपनी बहन से कहा था कि इस मेडिकल प्रवेश परीक्षा के लिए पूरी तरह से तैयार होने में उसे एक और साल की जरूरत है।

उन्होंने शुक्रवार को कहा, हमारा बेटा पढ़ाई में बहुत अच्छा था, कोचिंग संस्थान में नियमित परीक्षाओं में 550-600 अंक लाता था। उन्होंने कहा कि परीक्षा से कुछ दिन पहले आत्महत्या का कारण समझ में नहीं आ रहा। नीट-यूजी परीक्षा के लिए आदर्श स्कोर 720 है।

इस साल जनवरी से लेकर अब तक कोटा में छात्रों द्वारा आत्महत्या का यह 12वां मामला है। पिछले साल शहर में 17 छात्रों के खुदकुशी करने के मामले दर्ज किए गए थे। रोशन के माता-पिता के अनुसार उनके बेटे ने खुद कोटा में एक कोचिंग संस्थान में दाखिला लेने का फैसला किया था और एक साल बाद ही शहर के दूसरे संस्थान में चला गया। रंजीत शर्मा ने बताया, हम अपने बेटे को वापस घर ले जाने के लिए 22 अप्रैल को कोटा आए थे, लेकिन उसने मना कर दिया। जब बेटा अपने छात्रावास में नहीं मिला तो हमने उससे फोन पर संपर्क किया, लेकिन हमें बताया गया कि वह इस साल न तो नीट परीक्षा देगा और न ही घर लौटेगा। उन्होंने कहा, हम उसका सामान लेकर घर लौट आए इस उम्मीद में कि वह हमारे पीछे आएगा। जब ऐसा नहीं हुआ तो परेशान माता-पिता अपने बेटे को फोन करते रहे और उसे घर लौटने के लिए कहते रहे।

भारत-पाक सीमा बंद होने से बाड़मेर के युवक की शादी अटकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद भारत द्वारा अटारी-वाघा-सीमा चौकी बंद करने से राजस्थान के सीमावर्ती जिले बाड़मेर के एक युवक की भी शादी अटक गई है। दूल्हा अपने परिवार के साथ अटारी पहुंचा था लेकिन अधिकारियों ने उन्हें लौटा दिया। बाड़मेर जिले के इंद्रोई गांव के निवासी शैतान सिंह (25) की शादी 30 अप्रैल को पाकिस्तान के अमरकोट शहर में होनी थी। परिवार ने शादी की सारी तैयारी कर ली थी और अटारी-वाघा सीमा पर भी पहुंच गए लेकिन वहां उनकी सारी योजनाएं धरी रह गईं।

वहां पहुंचने पर अधिकारियों ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद बढ़ी सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए उन्हें और उनके परिवार को पाकिस्तान में प्रवेश करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। शैतान सिंह की सगाई पाकिस्तान के सिंध प्रांत के अमरकोट जिले की 21 वर्षीय केसर कंवर से चार साल पहले हुई थी। कई साल के प्रयास के बाद इस साल 18 फरवरी को उन्हें, उनके पिता और भाई को वीजा

दिया गया। उनका परिवार 23 अप्रैल को अटारी सीमा के लिए रवाना हुआ और एक दिन बाद पहुंचा, लेकिन 24 अप्रैल तक तनाव बढ़ने के कारण सीमा बंद हो गई।

सिंह ने कहा, हमने इस दिन का लंबे समय तक इंतजार किया है। उन्होंने कहा, आतंकवादियों ने जो कुछ भी किया वह बहुत गलत है। मेरी शादी होनी थी लेकिन अब नहीं जाने दे रहे हैं। अब तो शादी में रुकावट हो गई, क्या करें? यह सीमा का मामला है। हालांकि, उनका वीजा 12 मई तक वैध है और उनके परिवार को उम्मीद है कि अगर इस अवधि में सीमा खुलती है तो शादी हो सकती है। सिंह के चचेरे भाई सुरेंद्र सिंह ने कहा कि मौजूदा हालात ने दोनों परिवारों को निराश कर दिया है। उन्होंने कहा, पाकिस्तान से हमारे रिश्तेदार भी आए थे।

उन्हें भी वापस लौटना पड़ा। हम बहुत निराश हैं। आतंकवादी घटनाओं से बहुत नुकसान होता है। रिश्ते खराब होते हैं। सीमा पर आवाजाही बंद हो जाती है। शैतान सिंह का सीमा पार विवाह पारिवारिक रिश्तों के जरिए तय किया गया था जो सोढ़ा राजपूत समुदाय के बीच आम है।

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में सोढ़ा राजपूतों की अच्छी खासी आबादी है। उनमें से कई समुदाय के भीतर ही शादी करना पसंद करते हैं और अक्सर अपनी सांस्कृतिक परंपराओं को बनाए रखने के लिए सीमा पार रिश्ते तलाशते हैं। शैतान सिंह उन लोगों में से एक हैं जिनके रिश्तेदार पाकिस्तान में रहते हैं। फिलहाल उनका परिवार इस उम्मीद में है कि हालात सुधरेंगे और वे शादी के लिए सीमा पार जा पाएंगे।

'एक राष्ट्र एक चुनाव' से विकास को पंख लगेंगे: शिवराज सिंह चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ, 25 अप्रैल (भाषा) केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को कहा कि देश में साल भर कहीं न कहीं चुनाव होते रहते हैं जिसकी वजह से विकास कार्य ठप हो जाता है। उन्होंने कहा कि ' एक राष्ट्र,एक चुनाव' होने से विकास को पंख लगेंगे। सरकारी व्यवस्थाओं पर से बोझ कम होगा।

चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'एक राष्ट्र एक चुनाव' का जो सपना देखा है, उसे हम सब को मिल कर साकार करना है।

एक बयान के मुताबिक गांधी भवन प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा,'' एक राष्ट्र एक चुनाव, देश की आवश्यकता है। साल के 12 महीने चुनाव होते रहते हैं। हर प्रदेश के मुख्यमंत्री व मंत्री चुनाव प्रचार करते हैं, इससे विकास कार्य थम जाते हैं। हर महीने आचार संहिता लगने से जनकल्याणकारी योजनाएं भी प्रभावित होती हैं।'' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब उन्होंने इस योजना पर काम करना शुरू किया था। अब समय आ गया है कि हम सभी उनके इस सपने को साकार करें। इससे पूर्व कार्यक्रम संयोजक एवं उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि एक राष्ट्र एक चुनाव, देश

के लिए बहुत आवश्यक है। एक राष्ट्र एक चुनाव कराने से न केवल देश पर चुनाव कराने का आर्थिक बोझ कम होगा, बल्कि जब एक साथ चुनाव होंगे तो नवगठित सरकार को पांच वर्ष तक निरंतर विकास कार्य करने का पर्याप्त समय मिलेगा।

उप मुख्यमंत्री ने पहलगाम हमले में मारे गए सभी नागरिकों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करने हुए कहा कि इस घटना को अंजाम देने वाले आतंकियों एवं उनके आकाओं को कतई बख्शा नहीं जाएगा। उनके खिलाफ हमारी सेनाएं लगातार कार्रवाई कर रही हैं। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि एक राष्ट्र एक चुनाव देश के लिए बहुत जरूरी है। लगातार चुनाव चलते हैं, इससे देश के संसाधनों और समय की हानि होती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) रंगनाथ पाण्डेय ने की। उन्होंने कहा कि आचार संहिता से विकास की गति भी प्रभावित होती है। 'एक राष्ट्र एक चुनाव' देश की जरूरत है। हम सभी को इस अभियान की महत्ता समझनी चाहिए।

भूस्खलन प्रभावित सिक्किम में फंसे 1,100 से अधिक पर्यटक निकाले गए, 1,800 अन्य बचाव के इंतजार में

गंगटोक, 25 अप्रैल (भाषा) उत्तरी सिक्किम के चुंगथांग शहर में भूस्खलन के बाद फंसे करीब 1,100 पर्यटकों को शुक्रवार को अधिकारियों ने सुरक्षित निकाल लिया, जबकि 1,800 अन्य पर्यटक मंगन जिले के दो अन्य लोकप्रिय पर्वतीय स्थलों में बचाव का इंतजार कर रहे हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्रशासन निकाले गए यात्रियों को चुंगथांग से लगभग 100 किलोमीटर दूर राज्य की राजधानी गंगटोक ला रहा है।

उत्तरी सिक्किम के मंगन जिले में स्थित चुंगथांग, राज्य की राजधानी गंगटोक से करीब 100 किलोमीटर दूर है। अधिकारियों ने बताया कि बृहस्पतिवार की रात गुरुद्वारे में बिताने वाले ये पर्यटक लगभग 200 वाहनों में सवार होकर रवाना हुए।

चुंगथांग में बृहस्पतिवार को पर्यटकों के करीब 200 वाहन फंस गए और लोगों ने वहां एक गुरुद्वारे में शरण ली। चुंगथांग से वाहन सांगकालांग में पुनर्निर्मित बेली पुल के माध्यम से जिला मुख्यालय मंगन पहुंचे, जिसे यातायात के लिए खोल दिया गया था। अधिकारियों ने बताया कि लाचुंग और लाचेन में फंसे 1,800 अन्य पर्यटकों को निकालने के लिए सड़कों को जल्द साफ करने के प्रयास जारी हैं। बृहस्पतिवार को भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन के कारण लाचेन और लाचुंग की सड़कें बंद रहीं। पर्यटकों को लाचुंग और लाचेन तक पहुंचने के लिए चुंगथांग से होकर यात्रा करनी पड़ती है। जिला प्रशासन ने लाचुंग और लाचेन में फंसे पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध किए हैं।

बाटागुर धोंगोका नामक कछुओं की संख्या में 80 प्रतिशत की गिरावट के लिए मनुष्य जिम्मेदार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कभी गंगा और ब्रह्मपुत्र नदियों में बड़ी संख्या में पाए जाने वाले 'बाटागुर धोंगोका' नामक कछुए अब काफी हद तक लुप्त हो चुके हैं। सरकारी खर्च पर किए गए एक अध्ययन में पता चला है कि आधी सदी में इनकी आबादी में 80 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है, जिसका मुख्य कारण ठिकानों का कम होना, अवैध व्यापार और प्रदूषण है।

राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के समर्थन से किए गए इस अध्ययन से पता चला है कि बचे हुए कछुओं में आनुवंशिक विविधता बहुत कम है, जिससे इनके दीर्घकालिक अस्तित्व को लेकर चिंता उत्पन्न हो गई है। विज्ञान पर आधारित संरक्षण प्रयासों की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करते हुए, अध्ययन में दीर्घकालिक आनुवंशिक निगरानी, अवैध शिकार के खिलाफ सख्त कार्रवाई और विशेष रूप से राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य में इन कछुओं के ठिकानों को बहाल करने का आह्वान किया गया है, जहां ये काफी अधिक संख्या में पाए जाते हैं। यह अभयारण्य राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के बिंदु स्थल के पास चंबल नदी पर स्थित है।

अध्ययन में कहा गया है, बाटागुर धोंगोका नामक इन कछुओं की आबादी में मछली पकड़ने के जाल में उलझने, नदी के प्रवाह की गतिशीलता, जल प्रदूषण और अवैध व्यापार के हानिकारक प्रभावों आदि के कारण काफी गिरावट आई है। भारतीय वन्यजीव संस्थान के शोधकर्ताओं ने दो कछुआ बचाव एवं पुनर्वास केंद्रों – वाराणसी में टीआरआरसी और नरौरा में जीएआरआरसी – में रखे गए कछुओं के आनुवंशिक नमूनों का विश्लेषण किया। 'माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए' और 'माइक्रोसैटेलाइट मार्कर्स' का उपयोग करते हुए पिछले साल किए गए अध्ययन में पता चला कि जनसंख्या में आनुवंशिक विविधता का स्तर कम है और यह खतरे के कगार पर खड़ी किसी भी प्रजाति के लिए एक चेतावनी संकेत है। इस प्रजाति के कछुओं की प्रभावी सुरक्षा व संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए, सरकार ने इसे वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची-प्रथम में शामिल करके एक सक्रिय कदम उठाया।

सरकार जातिवादी और सांप्रदायिक द्वेष की घटनाओं पर सख्ती से रोक लगाये: मायावती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने शनिवार को दलितों पर अत्याचार का मुद्दा उठाते हुए सरकार से जातिवादी और सांप्रदायिक द्वेष की घटनाओं पर सख्ती से रोक लगाने की मांग की।

बसपा प्रमुख ने शनिवार को 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में दलितों पर जुल्म-ज्यादती, उनकी बारातों पर भी हो रहे हमले तथा उनके मसीहा बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर व गौतम बुद्ध की प्रतिमा के अनादर की घटनाएं अति-चिन्तनीय है। उन्होंने कहा, ''सरकार दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई व अपराध नियंत्रण हेतु प्रभावी कदम भी उठाए।

मायावती ने कहा, ''ऐसे समय में जब देश की सीमाओं पर तथा आतंकी घटनाओं आदि को लेकर आंतरिक सुरक्षा को भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, राज्य सरकार को असामाजिक एवं आपराधिक तत्वों पर समाज में जातिवादी व सांप्रदायिक द्वेष, उत्तेजना, तनाव व हिंसा फैलाने से सख्ती से रोकना चाहिए।

ईडी की छापेमारी के बाद कांग्रेस नेता गोगोई ने असम के मुख्यमंत्री शर्मा पर हमला बोला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने शनिवार को कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने असम में अवैध कोयला साम्राज्य का ''पर्दाफाश'' किया है, जहां अवैध खनन गतिविधियां मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की ''नाक के नीचे'' चल रही थीं, लेकिन वह इसे ''नकारते'' रहे। गोगोई ने राज्य सरकार से कहा कि वह इस बात का जवाब दे कि असम का असली 'सिंडिकेट राजा' कौन है।

कांग्रेस नेता का यह बयान प्रवर्तन निदेशालय द्वारा बृहस्पतिवार को असम और मेघालय में कथित अवैध कोयला खनन से जुड़ी धन शोधन जांच के तहत

15 परिसरों पर की गई छापेमारी के बाद आया है। गोगोई ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, ''ईडी ने असम के अवैध कोयला साम्राज्य का पर्दाफाश किया। 1.58 करोड़ रुपए नकद जब्त किए गए। फर्जी चालान। मार्गेरिटा, जोगीघोपा, गुवाहाटी में प्रतिदिन 1200 टन अवैध कोयला निकाला जा रहा है। यह सब मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की नाक के नीचे हो रहा है, जो अवैध खनन से इनकार करते रहे हैं।'' उन्होंने आरोप लगाया कि कोयला माफिया ने सीमा पार करने के लिए प्रति ट्रक 1.27-1.5 लाख रुपए का भुगतान किया और असम में कोयला डिपो ने 'कानूनी खनन' के रूप में अपराध को बढ़ावा दिया।

लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता ने लिखा, ''15 जगहों पर छापे मारे गए, मेघालय और असम के बीच 'सिंडिकेट लिंक' की पुष्टि हुई।'' उन्होंने कहा, ''क्या यह लूट सरकार के संरक्षण के बिना संभव है? असम का असली 'सिंडिकेट राजा' कौन है? जब ईडी के छापे और उच्च न्यायालय के समन से सच्चाई उजागर हुई है, तो मुख्यमंत्री कब तक इस सब के पीछे छिपते रहेंगे? दिसपुर को जवाब देना चाहिए। असम के लोग जवाबदेही की मांग करते हैं।''

पहलगाम हमले ने पश्चिम बंगाल में ध्रुवीकरण की नई लहर पैदा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए पश्चिम बंगाल के तीन पर्यटकों और उधमपुर में शहीद हुए एक सैनिक के ताबूत कश्मीर से लाए जाने के बाद प्रदेश में न केवल शोक की लहर है, बल्कि इसने धर्म, राजनीति और भावनाओं को एक साथ उद्वेलित कर दिया तथा ध्रुवीकरण बढ़ाया है और इस तरह यह राज्य की अस्मिता की राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ को दर्शाता है।

राज्य विधानसभा चुनाव (2026) के लिए साल भर से भी कम समय बचे होने के बीच, इन घटनाओं ने सियासी पारा चढ़ा दिया और इसके भावनात्मक रूप लेने की संभावना है, जिसके इर्द-गिर्द चुनावी रणनीतियां देखने को मिल सकती हैं। कश्मीर में मंगलवार को बंगाल के पर्यटकों--बितान अधिकारी, समीर गुहा और मनीष रंजन मिश्रा से कथित तौर पर उनका धर्म पूछे जाने के बाद आतंकियों ने नृशंस तरीके से उनकी हत्या कर दी। इन हत्याओं के भयावह स्वरूप ने धर्म को राजनीति के केंद्र में ला दिया है। वहीं, राजनीतिक दल धर्म, राष्ट्रवाद और पीड़ित होने के माध्यम से कहानी गढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। ये मौतें बंगाल के राजनीतिक अखाड़े में एक नये रण क्षेत्र में तब्दील हो गई हैं। चौथा ताबूत उधमपुर में एक अलग हमले में जान गंवाने वाले नादिया के सैनिक झोंटू अली शेख का है। इसने भावनात्मक और राजनीतिक विमर्श को और अधिक जटिल बना दिया है, क्योंकि शहादत और आतंकवाद को अब साम्प्रदायिक चश्मे से देखा जाने लगा है। हमलों के बाद धार्मिक अस्मिता के आह्वान ने बंगाल की राजनीति में बदलाव का संकेत दिया है – जिसके बारे में विश्लेषकों का कहना है कि यह भाजपा के ''विचारधारा को आगे बढ़ाने'' और तृणमूल कांग्रेस की ''तुष्टिकरण की राजनीति'' के साथ जुड़ा हुआ है।

'सेंटर फॉर स्टडीज इन सोशल साइंसेज' के राजनीति विज्ञानी मैदुल इस्लाम ने पीटीआई-भाषा को बताया, ''यह सिर्फ आतंक और त्रासदी की कहानी नहीं है। यह मृतकों की धार्मिक पहचान के बारे में है। हम अब पहचान और राजनीतिक दांव-पेंच से आकार लेते परस्पर विरोधी विमर्श देख रहे हैं।''

बुधवार शाम कोलकाता हवाई अड्डा पर जो कुछ देखने को मिला वह स्थिति की गंभीरता को रेखांकित करती है।

ताबूत लाये जाने पर, पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी और भाजपा नेताओं का एक समूह कार्गो टर्मिनल पर काफी भावुक नजर आया। अधिकारी ने कहा था, ''वे मारे गए क्योंकि वे हिंदू थे।''

पहलगाम हमले के बाद पूरा विपक्ष सरकार के साथ है : तेजस्वी

पटना, 25 अप्रैल (भाषा) राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद पूरा विपक्ष सरकार के साथ है। मंगलवार को हुए इस हमले में 26 लोग मारे गए थे।

पीड़ितों के साथ एकजुटता प्रदर्शित करने के लिए तेजस्वी ने यहां मोमबत्ती जुलूस का नेतृत्व किया। उन्होंने इस नृशंस हमले के दोषियों को ''कड़ी से कड़ी सजा'' दिए जाने की मांग की।

राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता ने कहा, ''यह मुद्दा राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा हुआ है और इसलिए हम इस पर राजनीति नहीं करना चाहते। (हमले में) जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है उनके साथ एकजुटता प्रदर्शित करने के लिए महागठबंधन राज्य भर में इसी तरह के मोमबत्ती जुलूस निकाल रहा है।'' उन्होंने आयकर गोलंबर से डाक बंगला चौराहे तक मार्च किया।

सरकारी प्रतिष्ठानों में प्रीपेड स्मार्ट मीटर को प्राथमिकता देने की जरूरत: मनोहर लाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गंगटोक/भाषा। केंद्रीय बिजली मंत्री मनोहर लाल ने शनिवार को राज्यों से सरकारी कॉलोनियों सहित सरकारी प्रतिष्ठानों में प्रीपेड स्मार्ट मीटर को प्राथमिकता देने को कहा।

यहां बिजली क्षेत्र के क्षेत्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सरकारी कॉलोनियों सहित सरकारी प्रतिष्ठानों में प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाने से बिजली की खपत से राजस्व अनुकूलतम होगा। उन्होंने कहा, आवासीय कॉलोनियों सहित सरकारी प्रतिष्ठानों में प्रीपेड स्मार्ट

मीटर लगाने से न केवल बिजली की खपत से राजस्व सृजन में वृद्धि होगी, बल्कि बिजली उत्पादन, पारेषण और वितरण नेटवर्क में शामिल संस्थाओं के परिचालन घाटे को कम करने में भी मदद मिलेगी।

क्षेत्रीय सम्मेलन में त्रिपुरा के बिजली मंत्री रतन लाल नाथ, मेघालय के बिजली मंत्री ए टी मंडल, मिजोरम के ऊर्जा मंत्री एफ रोडिंगलियाना और सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने भाग लिया। मनोहर लाल ने विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में देश की वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए भविष्य के लिए तैयार, आधुनिक और वित्तीय रूप से व्यवहार्य बिजली क्षेत्र के महत्व को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा, विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बिजली क्षेत्र की वृद्धि महत्वपूर्ण है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि क्षेत्रीय सम्मेलन पूर्वोत्तर राज्यों के बिजली क्षेत्र के संबंध में विशिष्ट चुनौतियों और समाधानों की पहचान करने में मदद करेगा। वर्तमान बिजली आवश्यकताओं को पूरा करने में 0.1% के मामूली अंतर के बावजूद, भविष्य की मांगों को पूरा करने के लिए प्रयास जारी रहना चाहिए।

झारखंड: आतंकवादी संगठनों से जुड़े चार लोग धनबाद से गिरफ्तार

रांची/भाषा। झारखंड पुलिस के आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) ने शनिवार को धनबाद जिले से कई आतंकवादी संगठनों से कथित तौर पर जुड़े चार लोगों को गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपियों के कब्जे से दो पिस्तौल, 12 कारतूस, मोबाइल फोन, लैपटॉप जैसे कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, प्रतिबंधित संगठनों से संबंधित बड़ी संख्या में दस्तावेज और किताबें जब्त की गई हैं।

एटीएस के एक बयान के अनुसार, ''इस संबंध में एटीएस, रांची में एक आपराधिक मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच जारी है।''बयान के मुताबिक, झारखंड एटीएस को सूचना मिली थी कि एचयूटी (हिज्ब उत-तहरीर), एक्यूआईएस (अलकायदा इन इंडियन सबकॉन्टिनेंट), आईएसआईएस (इस्लामिक स्टेट) और अन्य प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों से जुड़े कुछ लोग राज्य में युवाओं को अपने नेटवर्क से जोड़ रहे हैं, उन्हें सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से गुमराह कर रहे हैं और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों को अंजाम देते हुए धार्मिक चरमपंथ को बढ़ावा दे रहे हैं।

विज्ञप्ति में कहा गया है, ''सूचनाओं के सत्यापन के बाद यह बात सामने आई है कि इन संगठनों से जुड़े लोग अवैध हथियारों के व्यापार और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में लिप्त हैं। धनबाद जिले में छापेमारी करने के लिए एटीएस की एक टीम गठित की गई।'' आरोपियों की पहचान गुलफाम हसन (21), अयान जावेद (21), मोहम्मद शहजाद आलम (20) और शबनम प्रवीण (20) के रूप में हुई है।

मैं बेटी पाकिस्तान की थी, पर अब बहू भारत की हूं, मुझे यहां रहने दिया जाए: सीमा हैदर

नोएडा (उप्र)/भाषा। पाकिस्तानियों को उनके देश वापस भेजने के केंद्र सरकार के आदेश के बाद सीमा हैदर ने प्रधानमंत्री और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री से उसे भारत में रहने देने की गुहार लगाते करते हुए कहा कि वह बेशक पाकिस्तान की बेटी थी लेकिन अब बहू भारत की है। दो साल पहले सीमा ने अपने चार बच्चों के साथ कथित तौर पर अवैध रूप से भारत में प्रवेश किया था। वह गौतमबुद्ध नगर जिले में सचिन मीणा के साथ रह रही है। सीमा का दावा है कि सचिन से शादी के बाद उसने हिंदू धर्म अपना लिया है।

सीमा ने शुक्रवार शाम सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर वीडियो साझा किया जिसमें एक व्यक्ति उससे कुछ पूछता है। इस पर सीमा कहती है, ''मैं पाकिस्तान नहीं जाना चाहती सर।'' इसके बाद वह व्यक्ति पूछता है कि मोदी (प्रधानमंत्री) जी से क्या गुहार लगाना चाहेंगी। इस पर सीमा को यह कहते सुना जा सकता है, ''मैं (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी जी और योगी जी (उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ) से यही गुहार लगाना चाहूंगी कि मैं इनकी शरण में हूं, मैं इनकी अमानत हूं, बेटी पाकिस्तान की थी लेकिन बहू भारत की हूं। मुझे यहां रहने दिया जाए।''

राज्यों से उठी पाकिस्तान और आतंकवादियों को सबक सिखाने की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/श्रीनगर/चंडीगढ़/अहमदाबाद, 25 अप्रैल (भाषा) पहलगाम में मंगलवार को पर्यटकों को निशाना बनाकर किये आतंकी हमले को लेकर देशभर में आक्रोश और विरोध प्रदर्शनों के बीच कई राज्यों ने केंद्र से पाकिस्तान और आतंकवादियों को सख्त सबक सिखाने के लिये निर्णायक कदम उठाने की मांग की। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से पाकिस्तान और आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब देने का आग्रह किया फिर चाहे पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर का भारत में विलय करना ही क्यों न हो।

आतंकवादी हमले के विरोध में हैदराबाद में मोमबत्ती जुलूस का नेतृत्व करने वाले रेड्डी ने कहा कि केंद्र को ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए निर्णायक कार्रवाई करने की जरूरत है। उन्होंने याद दिलाया कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 1971 में बांग्लादेश के निर्माण को लेकर तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की तुलना देवी दुर्गा से की थी। उन्होंने कहा, ''आप (प्रधानमंत्री मोदी) दुर्गा माता को याद रखें। कार्रवाई करें, चाहे वह पाकिस्तान पर हमला हो या कोई और कदम। आज पाकिस्तान के खिलाफ कदम उठाए जाने चाहिए। यह समझौता करने का समय नहीं है। मुंहतोड़ जवाब दिया जाना चाहिए। आगे बढ़िए हम आपके साथ खड़े होंगे। 140 करोड़ भारतीय आपके साथ हैं।''

रेड्डी ने कहा, ''पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दीजिए। पीओके को भारत में मिला दीजिए। हम आपके साथ है, आप दुर्गा माता के भक्त हो। इंदिरा जी को याद कीजिए। इस बीच पहलगाम आतंकवादी हमले के विरोध में राज्य में कई स्थानों पर विरोध प्रदर्शन हुए। वहीं, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद घाटी में सामूहिक आक्रोश और एकता उन लोगों को एक शक्तिशाली संदेश देती है जो भय फैलाना चाहते हैं और विभाजन करना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने लोगों से कहा, हम सामूहिक रूप से पहलगाम आतंकी घटना की निंदा करते हैं, 26 निर्दोष लोगों की मौत पर शोक व्यक्त करते हैं और शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं। यहां एसकेआईसीसी में कश्मीर के पर्यटन, यात्रा और व्यापार क्षेत्रों के हितधारकों के साथ एक बैठक के दौरान अब्दुल्ला ने कहा, पर्यटन मंत्री होने के नाते, मेरे लिए उनके परिवारों से मिलना मुश्किल था। मेरे पास कहने के लिए शब्द नहीं थे। पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकके खिलाफ कई कड़े फैसले लिए हैं जिनमें सिंधु जल संधि को निलंबित किया जाना, पाक के नागरिकों को शीघ्र देश छोड़ने के निर्देश जैसे कदम शामिल है।

आप एक दो कमियां दूर कर सकते हैं बहुत अधिक नहीं: महेंद्र सिंह धोनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। महेंद्र सिंह धोनी ने मौजूदा आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लगातार खराब प्रदर्शन पर अपनी बेबसी जाहिर करते हुए कहा है कि जब एक ही समय में चार-पांच खिलाड़ी फॉर्म खो देते हैं तो टीम के लिए वांछित परिणाम हासिल करना मुश्किल होता है।

धोनी ने सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों पांच विकेट से मिली हार के बाद कहा,''इस तरह के टूर्नामेंट में अगर एक या दो क्षेत्रों में कमियों को दूर करना है तो यह अच्छा है लेकिन जब अधिकांश खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं तो मुश्किल हो जाती है। ऐसे में आपको बदलाव करने की जरूरत होती है। आप बस चलते नहीं रह सकते। हम पर्याप्त रन नहीं बना पा रहे हैं।''

सुपरकिंग्स के 155 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सनराइजर्स ने इशान किशन (44), कामिंदु मेंडिस (नाबाद 32) और नितीश कुमार रेड्डी (नाबाद 19) की पारियों से 18.4 ओवर में पांच विकेट पर 155 रन बनाकर

जीत दर्ज की। धोनी ने स्वीकार किया कि उनकी टीम बल्लेबाजी के लिए बेहतर हालात का फायदा नहीं उठा पाई।

धोनी ने , ''मुझे लगता है कि हम लगातार विकेट खोते रहे। एक और बात यह है कि पहली पारी में विकेट थोड़ा बेहतर था और 157 (154) रन उचित स्कोर नहीं था। गेंद बहुत अधिक टर्न नहीं कर रही थी और कुछ भी असामान्य नहीं था।'' उन्होंने कहा, '' हां, दूसरी पारी में थोड़ी मदद मिली। हमारे स्पिनर, गुणवत्ता वाले थे और वे सही क्षेत्रों में गेंदबाजी कर रहे थे लेकिन हम 15-20 रन कम बना पाए।''

धोनी ने 42 रन की उम्दा पारी खेलने वाले दक्षिण अफ्रीका के युवा बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस की सराहना की। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि उन्होंने काफी अच्छी बल्लेबाजी की और हमें मध्य क्रम में इसकी जरूरत थी। जब स्पिनर आते हैं तो आप या तो अपनी बल्लेबाजी से या सही क्षेत्रों को चुनकर रन बनाते हैं लेकिन यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां हम सुधार करना चाहते हैं क्योंकि बीच के ओवर महत्वपूर्ण होते हैं।''

सुविचार

एक सच्चा दोस्त वह होता हैं जो तब भी हमारे साथ चलता जब पूरी दुनिया हमसे मुंह मोड़ लेती हैं।

ट्वीट

सिविल सर्विसेज डे पर मैंने एक मंत्र दिया था और मैंने कहा था कि हम सरकार में जितने भी लोग हैं, हमारे लिए एक ही मंत्र सर्वोपरि होना चाहिए– नागरिक देवो भव:। मुझे विश्वास है कि अपने सामर्थ्य और ईमानदारी से एक ऐसा भारत बनाएंगे, जो विकसित भी होगा और समृद्ध भी होगा।

-नरेन्द्र मोदी

अपनी अद्वितीय गणितीय प्रतिभा से विश्व पटल पर भारत को गौरवान्वित करने वाले महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन जी की पुण्यतिथि पर उन्हें शत शत नमन। उनका जीवन संघर्षों और उपलब्धियों का अनुपम संगम था, जिससे युवा पीढ़ी को सदैव प्रेरणा मिलती रहेगी।

-भजनलाल शर्मा

कहानी

भगवतीचरण वर्मा

प्रायश्चित

अगर कबरी बिल्ली घर-भर में किसी से प्रेम करती थी तो रामू की बहू से, और अगर रामू की बहू घर-भर में किसी से घृणा करती थी तो कबरी बिल्ली से। रामू की बहू, दो महीने हुए मायके से प्रथम बार ससुराल आई थी, पति की प्यारी और सास की दुलारी, चौदह वर्ष की बालिका। भंडार-घर की चाभी उसकी करधनी में लटकने लगी, नौकरों पर उसका हुक्म चलने लगा, और रामू की बहू घर में सब कुछ; सासजी ने माला ली और पूजा-पाठ में मन लगाया।

लेकिन ठहरी चौदह वर्ष की बालिका, कभी भंडार-घर खुला है तो कभी भंडार-घर में बैठे-बैठे सो गई। कबरी बिल्ली को मौक़ा मिला, घी-दूध पर अब वह जुट गई। रामू की बहू की जान आफ़त में और कबरी बिल्ली के छक्के-पंजे। रामू की बहू हाँडी में घी रखते-रखते ऊँघ गई और बचा हुआ घी कबरी के पेट में। रामू की बहू दूध ढककर मिसरानी को जिन्स देने गई और दूध नदारद। अगर बात यहीं तक रह जाती, तो भी बुरा न था, कबरी रामू की बहू से कुछ ऐसा परच गई थी कि रामू की बहू के लिए खाना-पीना दुश्वार। रामू की बहू के कमरे में रबड़ी से भरी कटोरी पहुँची और रामू जब आए तब तक कटोरी साफ़ चटी हुई। बाज़ार से बालाई आई और जब तक रामू की बहू ने पान लगाया बालाई ग़ायब। रामू की बहू ने तय कर लिया कि या तो वही घर में रहेगी या फिर कबरी बिल्ली ही। मोर्चाबंदी हो गई, और दोनों सतर्क। बिल्ली फँसाने का कठघरा आया, उसमें दूध बालाई, चूहे, और भी बिल्ली को स्वादिष्ट लगने वाले विविध प्रकार के व्यंजन रखे गए, लेकिन बिल्ली ने उधर निगाह तक न डाली। इधर कबरी ने सरगर्मी दिखलाई। अभी तक तो वह रामू की बहू से डरती थी; पर अब वह साथ लग गई, लेकिन इतने फ़ासिले पर कि रामू की बहू उस पर हाथ न लगा सके।

कबरी के हौसले बढ़ जाने से रामू की बहू को घर में रहना मुश्किल हो गया। उसे मिलती थीं सास की मीठी झिड़कियाँ और पतिदेव को मिलता था रूखा-सूखा भोजन।

एक दिन रामू की बहू ने रामू के लिए खीर बनाई। पिस्ता, बादाम, मखाने और तरह-तरह के मेवे दूध में ओटे गए, सोने का वर्क चिपकाया गया और खीर से भरकर कटोरा कमरे के एक ऐसे ऊँचे ताक़ पर रखा गया, जहाँ बिल्ली न पहुँच सके। रामू की बहू इसके बाद पान लगाने में लग गई।

उधर बिल्ली कमरे में आई, ताक़ के नीचे खड़े होकर उसने ऊपर कटोरे की ओर देखा, सूँघा, माल अच्छा है, ताक़ की ऊँचाई अंदाज़ी। उधर रामू की बहू पान लगा रही है। पान लगाकर रामू की बहू सासजी को पान देने चली गई और कबरी ने छलाँग मारी, पंजा कटोरे में लगा और कटोरा झनझनाहट की आवाज़ के साथ फ़र्श पर।

आवाज़ रामू की बहू के कान में पहुँची, सास के सामने पान फेंककर वह दौड़ी, क्या देखती है कि फूल का कटोरा टुकड़े-टुकड़े, खीर फ़र्श पर और बिल्ली डटकर खीर उड़ा रही है। रामू की बहू को देखते ही कबरी चपत।

रामू की बहू पर ख़ून सवार हो गया, न रहे बाँस, न बजे बाँसुरी, रामू की बहू ने कबरी की हत्या पर कमर कस ली। रात-भर उसे नींद न आई, किस दाँव से कबरी पर वार किया जाए कि फिर ज़िंदा न बचे, यही पड़े-पड़े सोचती रही। सुबह हुई और वह देखती है कि कबरी देहरी पर बैठी बड़े प्रेम से उसे देख रही है।

रामू की बहू ने कुछ सोचा, इसके बाद मुस्कुराती हुई वह उठी। कबरी रामू की बहू के उठते ही खिसक गई। रामू की बहू एक कटोरा दूध कमरे के दरवाज़े की देहरी पर रखकर चली गई। हाथ में पाटा लेकर वह लौटी तो देखती है कि कबरी दूध पर जुटी हुई है। मौक़ा हाथ में आ गया, सारा बल लगाकर पाटा उसने बिल्ली पर पटक दिया। कबरी न हिली, न डुली, न चीख़ी, न चिल्लाई, बस एकदम उलट गई।

आवाज़ जो हुई तो महरी झाड़ू छोड़कर, मिसरानी रसोई छोड़कर और सास पूजा छोड़कर घटनास्थल पर उपस्थित हो गईं। रामू की बहू सर झुकाए हुए अपराधिनी की भाँति बातें सुन रही है।

महरी बोली– अरे राम! बिल्ली तो मर गई। माँजी, बिल्ली की हत्या बहू से हो गई, यह तो बुरा हुआ।

मिसरानी बोली– माँजी, बिल्ली की हत्या और आदमी की हत्या बराबर है, हम तो रसोई न बनाएँगी, जब तक बहू के सिर हत्या रहेगी।

सास जी बोलीं– हाँ, ठीक तो कहती हो, अब जब तक बहू के सर से हत्या न उतर जाए, तब तक न कोई पानी पी सकता है, न खाना खा सकता है, बहू, यह क्या कर डाला?

महरी ने कहा– फिर क्या हो, कहो तो पंडितजी को बुलाय लाई।

सास की जान-में-जान आई– अरे हाँ, जल्दी दौड़ के पंडितजी को बुला लो।

बिल्ली की हत्या की ख़बर बिजली की तरह पड़ोस में फैल गई-पड़ोस की औरतों का रामू के घर ताँता बँध गया। चारों तरफ़ से प्रश्नों की बौछार और रामू की बहू सिर झुकाए बैठी।

पंडित परमसुख को जब यह ख़बर मिली, उस समय वह पूजा कर रहे थे। ख़बर पाते ही वे उठ पड़े-पंडिताइन से मुस्कुराते हुए बोले– भोजन न बनाना, लाला घासीराम की पतोहू ने बिल्ली मार डाली, प्रायश्चित होगा, पकवानों पर हाथ लगेगा।

पंडित परमसुख चौबे छोटे-से मोटे-से आदमी थे। लंबाई चार फीट दस इंच और तोंद का घेरा अड़ावन इंच। चेहरा गोल-मटोल, मूँछ बड़ी-बड़ी, रंग गोरा, चोटी कमर तक पहुँचती हुई। कहा जाता है कि मथुरा में जब पसेरी ख़ुराकवाले पंडितों को ढूँढ़ा जाता था, तो पंडित परमसुखजी को उस लिस्ट में प्रथम स्थान दिया जाता था।

पंडित परमसुख पहुँचे और कोरम पूरा हुआ। पंचायत बैठी-सासजी, मिसरानी, किसनू की माँ, छन्नू की दादी और पंडित परमसुख। बाक़ी स्त्रियाँ बहू से सहानुभूति प्रकट कर रही थीं।

किसनू की माँ ने कहा– पंडितजी, बिल्ली की हत्या करने से कौन नरक मिलता है?

पंडित परमसुख ने पत्रा देखते हुए कहा– बिल्ली की हत्या अकेले से तो नरक का नाम नहीं बतलाया जा सकता, वह महूरत भी मालूम हो, जब बिल्ली की हत्या हुई, तब नरक का पता लग सकता है।

यही कोई सात बजे सुबह-मिसरानीजी ने कहा।

पंडित परमसुख ने पत्रे के पन्ने उलटे, अक्षरों पर उँगलियाँ चलाईं, माथे पर हाथ लगाया और कुछ सोचा। चेहरे पर धुंधलापन आया, माथे पर बल पड़े, नाक कुछ सिकुड़ी और स्वर गंभीर हो गया– हरे कृष्ण! हे कृष्ण! बड़ा बुरा हुआ, प्रातःकाल ब्रह्म-मुहूर्त में बिल्ली की हत्या! घोर कुंभीपाक नरक का विधान है! रामू की माँ, यह तो बड़ा बुरा हुआ।

रामू की माँ की आँखों में आँसू आ गए– तो फिर पंडितजी, अब क्या होगा, आप ही बतलाएँ!

पंडित परमसुख मुस्कुराए– रामू की माँ, चिंता की कौन-सी बात है, हम पुरोहित फिर कौन दिन के लिए हैं? शास्त्रों में प्रायश्चित का विधान है, सो प्रायश्चित से सब कुछ ठीक हो जाएगा।

रामू की माँ ने कहा– पंडितजी, इसीलिए तो आपको बुलवाया था, अब आगे बतलाओ कि क्या किया जाए?

किया क्या जाए, यही एक सोने की बिल्ली बनवाकर बहू से दान करवा दी जाए-जब तक बिल्ली न दे दी जाएगी, तब तक तो घर अपवित्र रहेगा, बिल्ली दान देने के बाद इक्कीस दिन का पाठ हो जाए।

छन्नू की दादी बोली– हाँ और क्या, पंडितजी ठीक तो कहते हैं, बिल्ली अभी दान दे दी जाए और पाठ फिर हो जाए।

रामू की माँ ने कहा– तो पंडितजी, कितने तोले की बिल्ली बनवाई जाए?

पंडित परमसुख मुस्कुराए, अपनी तोंद पर हाथ फेरते हुए उन्होंने कहा– बिल्ली कितने तोले की बनवाई जाए? अरे रामू की माँ, शास्त्रों में तो लिखा है कि बिल्ली के वज़न-भर सोने की बिल्ली बनवाई जाए। लेकिन अब कलियुग आ गया है, धर्म-कर्म का नाश हो गया है, श्रद्धा नहीं रही। सो रामू की माँ, बिल्ली के तौल भर की बिल्ली तो क्या बनेगी, क्योंकि बिल्ली बीस-इक्कीस सेर से कम की क्या होगी, हाँ, कम-से-कम इक्कीस तोले की बिल्ली बनवाकर दान करवा दो और आगे तो अपनी-अपनी श्रद्धा! रामू की माँ ने आँखें फाड़कर पंडित परमसुख को देखा– अरे बाप रे! इक्कीस तोला सोना! पंडितजी यह तो बहुत है, तोला-भर की बिल्ली से काम न निकलेगा? पंडित परमसुख हँस पड़े– रामू की माँ! एक तोला सोने की बिल्ली! अरे रुपया का लोभ बहू से बढ़ गया? बहू के सिर बड़ा पाप है, इसमें इतना लोभ ठीक नहीं!

मोल-तोल शुरू हुआ और मामला ग्यारह तोले की बिल्ली पर ठीक हो गया।

इसके बाद पूजा-पाठ की बात आई। पंडित परमसुख ने कहा– उसमें क्या मुश्किल है, हम लोग किस दिन के लिए हैं रामू की माँ, मैं पाठ कर दिया करुँगा, पूजा की सामग्री आप हमारे घर भिजवा देना।

पूजा का सामान कितना लगेगा?

अरे, कम-से-कम में हम पूजा कर देंगे, दान के लिए क़रीब दस मन गेहूँ, एक मन चावल, एक मन दाल, मन-भर तिल, पाँच मन जौ और पाँच मन चना, चार पसेरी घी और मन-भर नमक भी लगेगा। बस, इतने से काम चल जाएगा।

अरे बाप रे! इतना सामान! पंडितजी इसमें तो सौ-डेढ़ सौ रुपया ख़र्च हो जाएगा-रामू की माँ ने रुआँसी होकर कहा।

फिर इससे कम में तो काम न चलेगा। बिल्ली की हत्या कितना बड़ा पाप है, रामू की माँ! ख़र्च को देखते वक़्त पहले बहू के पाप को तो देख लो! यह तो प्रायश्चित है, कोई हँसी-खेल थोड़े ही है– और जैसी जिसकी मरजादा, प्रायश्चित में उसे वैसा ख़र्च भी करना पड़ता है। आप लोग कोई ऐसे-वैसे थोड़े हैं, अरे सौ-डेढ़ सौ रुपया आप लोगों के हाथ का मैल है।

पंड़ित परमसुख की बात से पंच प्रभावित हुए, किसनू की माँ ने कहा– पंडितजी ठीक तो कहते हैं, बिल्ली की हत्या कोई ऐसा-वैसा पाप तो है नहीं-बड़े पाप के लिए बड़ा ख़र्च भी चाहिए।

छन्नू की दादी ने कहा– और नहीं तो क्या, दान-पुन्न से ही पाप कटते हैं। दान-पुन्न में किफ़ायत ठीक नहीं।

मिसरानी ने कहा– और फिर माँजी आप लोग बड़े आदमी ठहरे। इतना ख़र्च कौन आप लोगों को अखरेगा।

रामू की माँ ने अपने चारों ओर देखा–सभी पंच पंडितजी के साथ। पंडित परमसुख मुस्कुरा रहे थे। उन्होंने कहा– रामू की माँ! एक तरफ़ तो बहू के लिए कुंभीपाक नरक है और दूसरी तरफ़ तुम्हारे ज़िम्मे थोड़ा-सा ख़र्चा है। सो उससे मुँह न मोड़ो।

एक ठंडी साँस लेते हुए रामू की माँ ने कहा– अब तो जो नाच नचाओगे नाचना ही पड़ेगा।

पंडित परमसुख ज़रा कुछ बिगड़कर बोले– रामू की माँ! यह तो ख़ुशी की बात है-अगर तुम्हें यह अखरता है तो न करो, मैं चला-इतना कहकर पंडितजी ने पोथी-पत्रा बटोरा।

अरे पंडितजी-रामू की माँ को कुछ नहीं अखरता-बेचारी को कितना दुःख है-बिगड़ो न!– मिसरानी, छन्नू की दादी और किसनू की माँ ने एक स्वर में कहा।

रामू की माँ ने पंडितजी के पैर पकड़े-और पंडितजी ने अब जमकर आसन जमाया। और क्या हो? इक्कीस दिन के पाठ के इक्कीस रुपए और इक्कीस दिन तक दोनों बखत पाँच-पाँच ब्राह्मणों को भोजन करवाना पड़ेगा, कुछ रुककर पंडित परमसुख ने कहा– सो इसकी चिंता न करो, मैं अकेले दोनों समय भोजन कर लूँगा और मेरे अकेले भोजन करने से पाँच ब्राह्मण के भोजन का फल मिल जाएगा।

यह तो पंडितजी ठीक कहते हैं, पंडितजी की तोंद तो देखो! मिसरानी ने मुस्कुराते हुए पंडितजी पर व्यंग किया।

अच्छा तो फिर प्रायश्चित का प्रबंध करवाओ, रामू की माँ ग्यारह तोला सोना निकालो, मैं उसकी बिल्ली बनवा लाऊँ-दो घंटे में मैं बनवाकर लौटूँगा, तब तक सब पूजा का प्रबंध कर रखो-और देखो पूजा के लिए। पंडितजी की बात ख़त्म भी न हुई थी कि महरी हाँफती हुई कमरे में घुस आई और सब लोग चौंक उठे। रामू की माँ ने घबराकर कहा– अरी क्या हुआ री? महरी ने लड़खड़ाते स्वर में कहा–माँजी, बिल्ली तो उठकर भाग गई!

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

संवेदनशून्यता

22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में आतंकियों ने 28 निहत्थे लोगों की नृशंस हत्या कर दी। इस अमानुषी कृत्य के विरुद्ध देश भर में रोष की लहर है। भारत सरकार ने कूटनीतिक स्तर पर पाकिस्तान को घेरना शुरू कर दिया है। तय है कि शत्रु को सामरिक दंड भी भुगतना पड़ेगा। आज का हमारा चिंतन इस हमले के संदर्भ में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर हमारी सामुदायिक चेतना को लेकर है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म अपनी अभिव्यक्ति / उपलब्धियों / रचनाओं को साझा करने का सशक्त एवं प्रभावी माध्यम हैं। सामान्य स्थितियों में सृजन को पाठकों तक पहुँचाने, स्वयं को वैचारिक रूप से अभिव्यक्त करने, अपने बारे में जानकारी देने की मूलभूत व प्राकृतिक मानवीय इच्छा को देखते हुए यह स्वाभाविक भी है।

यहाँ प्रश्न हमले के बाद से अगले दो-तीन दिन की अवधि में प्रेषित की गईं पोस्टों को लेकर है। स्थूल रूप से तीन तरह की प्रतिक्रियाएँ विभिन्न प्लेटफॉर्मों पर देखने को मिलीं। पहले वर्ग में वे लोग थे, जो इन हमलों से बेहद उद्वेलित थे और तुरंत कार्यवाही की मांग कर रहे थे। दूसरा वर्ग हमले के विभिन्न आयामों के पक्ष या विरोध में चर्चा करने वालों का था। इन दोनों वर्गों की वैचारिकता से सहमति या असहमति हो सकती है पर उनकी चर्चा / बहस/ विचार के केंद्र में हमारी राष्ट्रीय अस्मिता एवं सुरक्षा पर हुआ यह आघात था।

एक तीसरा वर्ग भी इस अवधि में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सक्रिय था। बड़ी संख्या में उनकी ऐसी पोस्ट देखने को मिलीं जिन्हें इस जघन्य कांड से कोई लेना-देना नहीं था। इनमें विभिन्न विधाओं की रचनाएँ थीं। इनके विषय- सौंदर्य, प्रेम, मिलन, बिछोह से लेकर सामाजिक, सांस्कृतिक आदि थे। हास्य-व्यंग के लेख भी डाले जाते रहे। यह वर्ग वीडियो और रील्स का महासागर भी उँड़ेलता रहा। घूमने- फिरने से लेकर हनीमून तक की तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर की जाती रहीं।

यह वर्ग ही आज हमारे चिंतन के केंद्र में है। ऐसा नहीं है कि किसी दुखद घटना के बाद हर्ष के प्रसंग रुक जाते हैं। तब भी स्मरण रखा जाना चाहिए कि मोहल्ले में एक मृत्यु हो जाने पर मंदिर का घंटा भी बांध दिया जाता है। किसी शुभ प्रसंग वाले दिन ही निकटतम परिजन का देहांत हो जाने पर भी यद्यपि मुहूर्त टाला नहीं जाता, पर शोक की एक अनुभूति पूरे परिदृश्य को घेर अवश्य लेती है। पड़ोस के घर में मृत्यु हो जाने पर बारात में बैंड-बाजा नहीं बजाया जाता था। कभी मृत्यु पर मोहल्ले भर में चूल्हा नहीं जलता था। आज मृत्यु भी संबंधित फ्लैट तक की सीमित रह गई है। राष्ट्रीय शोक को सम्बंधित परिवारों तक सीमित मान लेने की वृत्ति गंभीर प्रश्न खड़े करती है।

इस वृत्ति को किसी कौवे की मृत्यु पर काग-समूह के रुदन की सामूहिक काँव-काँव सुननी चाहिए। सड़क पार करते समय किसी कुत्ते को किसी वाहन द्वारा चोटिल कर दिए जाने पर आसपास के कुत्तों का वाहन चालकों के विरुद्ध व्यक्त होता भीषण आक्रोश सुनना चाहिए।

हमें पढ़ाया गया था, मैन इज़ अ सोशल एनिमल। आदमी के व्यवहार से गायब होता यह 'सोशल' उसे एनिमल तक सीमित कर रहा है। संभव है कि उसने सोशल मीडिया को ही सोशल होने की पराकाष्ठा मान लिया हो।

आदिग्रंथ ऋग्वेद का उद्घोष है–

।। सं. गच्छध्वम सं वदध्वम।। (10.181.2)

अर्थात साथ चलें, साथ (समूह में) बोलें।

कठोपनिषद, सामुदायिकता को प्रतिपादित करता हुआ कहता है–

।। ॐ सह नाववतु। सह नौ भुनक्तु। सह वीर्यं करवावहै।

तेजस्विनावधीतमस्तु मा विद्विषावहै।।19।।

ऐसा नहीं लगता कि सोशल मीडिया पर हर्षोल्लास के पल साझा करनेवाले पहलगाम कांड पर दुखी या आक्रोशित नहीं हुए होंगे पर वे शोक की जनमान्य अवधि तक भी रुक नहीं सके। इस तरह की आत्ममुग्धता और उतावलापन संवेदना के निष्प्राण होने की ओर संकेत कर रहे हैं।

कभी लेखनी से उतरा था–

हार्ट अटैक,
ब्रेन डेड,
मृत्यु के नये नाम गढ़ रहे हम,
सोचता हूँ,
संवेदनशून्यता को
मृत्यु कब घोषित करेंगे हम?

हम सबमें सभी प्रकार की प्रवृत्तियाँ अंतर्निहित हैं। वांछनीय है कि हम तटस्थ होकर अपना आकलन करें, विचार करें, तदनुसार क्रियान्वयन करें ताकि दम तोड़ती संवेदना में प्राण फूँके जा सकें।

बोध कथा

समय की पाबंदी

बात साबरमती आश्रम में गांधी जी के प्रवास के दिनों की है। एक दिन एक गाँव के कुछ लोग बापू के पास आए और उनसे कहने लगे, बापू कल हमारे गाँव में एक सभा हो रही है, यदि आप समय निकाल कर जनता को देश की स्थिति व स्वाधीनता के प्रति कुछ शब्द कहें तो आपकी कृपा होगी। गांधी जी ने अपना कल का कार्यक्रम देखा और गाँव के लोगों के मुखिया से पूछा, सभा के कार्यक्रम का समय कब है? मुखिया ने कहा, हमने चार बजे निश्चित कर रखा है। गांधी जी ने आने की अपनी अनुमति दे दी।

मुखिया बोला, बापू मैं गाड़ी से एक व्यक्ति को भेज दूँगा, जो आपको ले आएगा। आपको अधिक कष्ट नहीं होगा। गांधी जी मुस्कराते हुए बोले, अच्छी बात है, कल निश्चित समय मैं तैयार रहूँगा। अगले दिन जब पौने चार बजे तक मुखिया का आदमी नहीं पहुँचा तो गांधी जी चिंतित हो गए। उन्होंने सोचा अगर मैं समय से नहीं पहुँचा तो लोग क्या कहेंगे। उनका समय व्यर्थ नष्ट होगा।

गांधी जी ने एक तरीक़ा सोचा और उसी के अनुसार अमल किया। कुछ समय पश्चात मुखिया गांधी जी को लेने आश्रम पहुँचा तो गांधी जी को वहाँ नहीं पाकर उन्हें बहुत आश्चर्य हुआ। लेकिन वह क्या कर सकते थे। मुखिया सभा स्थल पर पहुँचा तो उन्हें यह देख कर और अधिक आश्चर्य हुआ कि गांधी जी भाषण दे रहे हैं और सभी लोग तन्मयता से उन्हें सुन रहे हैं।

भाषण के उपरांत मुखिया गांधी जी से मिला और उनसे पूछने लगा, मैं आपको लेने आश्रम गया था लेकिन आप वहाँ नहीं मिले फिर आप यहाँ तक कैसे पहुँचे? गांधी जी ने कहा, जब आप पौने चार बजे तक नहीं पहुँचे तो मुझे चिंता हुई कि मेरे कारण इतने लोगों का समय नष्ट हो सकता है इसलिए मैंने साइकिल उठाई और तेज़ी से चलाते हुए यहाँ पहुँचा। मुखिया बहुत शर्मिंदा हुआ। गांधी जी ने कहा, समय बहुत मूल्यवान होता है। हमें प्रतिदिन समय का सदुपयोग करना चाहिए। किसी भी प्रगति में समय महत्वपूर्ण होता है। अब उस युवक की समझ में मर्म आ चुका था।

वीर गाथा

हवलदार जोसेफ अनल चांग: निशानेबाजी के शौक ने बना दिया सैनिक, उड़ा दिए पाकिस्तान के बंकर

हवलदार जोसेफ अनल चांग भारतीय सेना की नागा रेजिमेंट के ऐसे बहादुर योद्धा थे, जिन्होंने पाकिस्तान के आतंकी मंसूबों को कई बार नाकाम करने में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया था। जोसेफ को बचपन से ही निशानेबाजी का बहुत शौक था। इससे उन्हें सैन्य जीवन में बहुत मदद मिली और पाकिस्तान के कई बंकर उड़ा दिए।

उन्होंने अगस्त 1994 में 'घातक' टीम के सदस्य के तौर पर एलओसी पर एक फायर असॉल्ट ऑपरेशन में भाग लिया था। उस दौरान उन्होंने आरएल डिटैचमेंट नंबर 1 के कमांडर के रूप में दुश्मन के बंकर को पूरी तरह तबाह कर दिया था। जोसेफ ने वह काम सुबह होते ही उस समय पूरा कर दिया, जब दुश्मन महज 50 मीटर की दूरी पर था। इसके बाद 23 मई, 1995 को फिर से एलओसी पर पराक्रम दिखाया। उन्होंने पाकिस्तानी जवानों और घुसपैठियों को एक मुकाबले में उलझा दिया और उन्हें भारी नुकसान पहुंचाया था।

पाकिस्तानियों को हर बार मुंह की खाने के बावजूद चैन नहीं था। वे घुसपैठ और आतंकवाद के लिए साजिशें रच रहे थे। 28 मई, 1995 को दुश्मन ने भारतीय सेना के गश्ती दल पर अचानक हमला कर दिया था। इसके जवाब में हवलदार जोसेफ ने लाइट मशीन गन और मोर्टार से हमला किया।

छह जून, 1995 को एलओसी पर दुश्मन के साथ बड़ी मुठभेड़ हुई थी। हवलदार जोसेफ ने अपनी सुरक्षा की परवाह न करते हुए 84 एमएम आरएल से गोलीबारी करते हुए दुश्मन के फ्लैग एरिया बंकर को तबाह कर दिया था। इससे पाकिस्तान के कई फौजी मारे गए और उसे भारी नुकसान हुआ था।

हवलदार जोसेफ अनल चांग ने ऐसी हर कार्रवाई में अदम्य साहस, दृढ़ आत्मविश्वास, सूझबूझ और धैर्य का परिचय दिया, जो अत्यंत प्रशंसनीय है। उन्हें 'वीर चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

लंदन में आमने-सामने आए भारतीय और पाकिस्तानी प्रदर्शनकारी, पाक राजनयिक ने किए धमकी भरे इशारे

लंदन/भाषा। पहलगाम आतंकवादी हमले मद्देनजर लंदन में विरोध प्रदर्शन करने के लिए एकत्र हुए प्रवासीय भारतीयों के समूहों और यहां पाकिस्तान उच्चायोग के बाहर जवाबी प्रदर्शन करने वालों का आमना-सामना हुआ। इस दौरान एक पाकिस्तानी राजनयिक अधिकारी को धमकी भरे इशारे करते हुए देखा गया। भारतीय समूहों द्वारा शुक्रवार शाम सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो में पाकिस्तानी अधिकारी को लोन्डेस स्क्वायर में स्थित मिशन भवन की बालकनी से भारतीय प्रदर्शनकारियों की तरफ इशारे करते हुए देखा जा सकता है। राजनयिक ने फरवरी 2019 में पाकिस्तान में पकड़े गए भारतीय वायुसेना के पायलट कैप्टन अभिनंदन वर्धमान का पोस्टर दिखाकर ये इशारे किए।

विरोध प्रदर्शन के दौरान भारतीयों ने भारतीय राष्ट्रीय ध्वज और तख्तियां ले रखी थीं, जिन पर पाकिस्तान से कश्मीर में आतंकवाद को खत्म करने का आह्वान किया गया था। फ्रेंड्स ऑफ इंडिया सोसायटी इंटरनेशनल यूके के प्रवक्ता ने कहा, हम कश्मीर में पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद के कारण निर्दोष लोगों की हत्या किए जाने की निंदा करने के लिए एकत्र हुए हैं। हम सख्त अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई की मांग करते हैं और ब्रिटेन सरकार से भारत के साथ खड़े होने तथा पाकिस्तान के प्रति अपनी नीति पर पुनर्विचार करने का आग्रह करते हैं।

नियुक्ति पत्र

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान शनिवार को भोपाल में 'रोजगार मेला' के दौरान एक उम्मीदवार को नियुक्ति पत्र वितरित करते हुए।

सिंधु जल संधि नेहरू की रणनीतिक भूलों में से एक है: हिमंत

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आरोप लगाया कि सिंधु जल संधि पर हस्ताक्षर करना पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की ''सबसे बड़ी रणनीतिक भूलों में से एक'' थी। उन्होंने कहा कि संधि को स्थगित किये जाने से स्पष्ट संदेश दिया गया है कि भारत ''अब आतंकवाद और शत्रुता को तुष्टीकरण से पुरस्कृत नहीं करेगा''। उन्होंने संधि को स्थगित रखने के नरेन्द्र मोदी सरकार के निर्णय की सराहना की।भारत ने दशकों पुरानी संधि को स्थगित करने का निर्णय मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की घटना के बाद लिया था। इस हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी। शर्मा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा 1960 में सिंधु जल संधि पर हस्ताक्षर किया जाना भारत के इतिहास की सबसे बड़ी रणनीतिक भूलों में से एक है।'' मुख्यमंत्री ने दावा किया, ''भारत के ऊपरी तटवर्ती क्षेत्र में लाभ के बावजूद, नेहरू ने तत्कालीन अमेरिकी प्रशासन और विश्व बैंक के भारी दबाव में, सिंधु नदी बेसिन के 80 प्रतिशत से अधिक पानी को पाकिस्तान को सौंप दिया, जिससे विशाल सिंधु, झेलम और चिनाब नदियों पर पूर्ण नियंत्रण मिल गया, जबकि भारत को छोटी पूर्वी नदियों (रावी, व्यास, सतलुज) तक सीमित कर दिया गया।''

फिल्म 'क्यूँकि हर एक सास ज़रूरी होती है' का वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर

मुंबई/एजेन्सी

फीलमची भोजपुरी चैनल पर 26 अप्रैल को 'क्यूँकि... हर एक सास ज़रूरी होती है' का वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर होगा। फीलमची भोजपुरी चैनल,भोजपुरी सिनेमा के दर्शकों के लिए विशेष तोहफा लेकर आ रहा है। चैनल के पांच साल पूरे होने पर '5 साल - महा धमाल' सेलिब्रेशन के तहत फीलमची ने तीसरी खुद की ओरिजिनल फिल्म 'क्यूँकि... हर एक सास ज़रूरी होती है' का वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर 26 अप्रैल को एक्सक्लूसिवली फीलमची भोजपुरी पर होगा। 'क्यूँकि... हर एक सास ज़रूरी होती है' में प्रमुख भूमिका में अपर्णा मलिक और लाडो मधेसिया है। साथ ही इस फिल्म में वरिष्ठ कलाकार जे. नीलम भी अहम भूमिका में नज़र आएंगी। लाडो मधेसिया ने कहा, फीलमची पर बनी हर फिल्म कुछ नया लेकर आती है। यह सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि सोच बदलने की एक कोशिश है। 'क्यूँकि... हर एक सास ज़रूरी होती है' हर घर के लिए एक हँसी-खुशी का अनुभव है।

वहीं जे. नीलम ने कहा, यह फिल्म महिलाओं के आपसी रिश्तों को नए दृष्टिकोण से देखने और समझने की कोशिश है। मुझे गर्व है कि मैं इस प्रोजेक्ट का हिस्सा हूं।

पोप फ्रांसिस को दी गई अंतिम विदाई, आम लोगों के पोप के तौर पर उन्हें याद किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वेटिकन सिटी। पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार कार्यक्रम में विश्व नेताओं और कैथोलिक अनुयायियों ने बड़ी संख्या में एकत्र होकर शनिवार को उन्हें अंतिम विदाई दी। इस कार्यक्रम में पोप के रूप में फ्रांसिस की प्राथमिकताएं और पादरी के रूप में उनकी इच्छाएं प्रतिबिंबित हुईं।

करीब 2,50,000 लोग प्रार्थना सभा में शामिल हुए और फ्रांसिस का ताबूत शहर के दूसरी ओर स्थित सेंट मैरी मेजर बेसिलिका लाये जाने के दौरान रास्ते में हजारों लोग कतार में खड़े नजर आए। इसके बाद ताबूत को स्विस गार्ड की सुरक्षा में चर्च के अंदर ले जाया गया। इससे पहले, कॉलेज ऑफ कार्डिनल के डीन, कार्डिनल जियोवानी बतिस्ता रे (91) ने पोप फ्रांसिस को आम लोगों का पोप बताते हुए कहा कि वह ऐसे पादरी थे जो अनौपचारिक एवं सहज शैली में ''हमारे बीच सबसे कमजोर'' लोगों से संवाद करना जानते थे। रे ने फ्रांसिस को ''लोगों के बीच रहने वाला पोप एवं सभी के लिए खुले दिल वाला'' बताया। उन्होंने कहा कि फ्रांसिस की जो आखिरी छवि कई लोगों के मन में है, वह ईस्टर रविवार को आशीर्वाद देने और उसी 'स्क्वायर' में पोपमोबाइल (पोप का वाहन) से सलामी देने की है। उन्होंने जब प्रवासियों के लिए फ्रांसिस द्वारा निरंतर जताई गई चिंता को याद किया, तो भीड़ ने उनकी सराहना की।

रे ने पोप का अमेरिका-मेक्सिको सीमा पर जाना और यूनान के लेस्बोस में शरणार्थी शिविर की यात्रा करना तथा 12 प्रवासियों को अपने साथ घर लाने का उल्लेख किया। रे ने कहा, ''उनका यह मानना था कि चर्च सभी के लिए एक घर है, एक ऐसा घर जिसके दरवाजे हमेशा खुले हुए हैं।'' फ्रांसिस ने कमजोर लोगों पर ध्यान दिया था, लेकिन उनके अंतिम संस्कार कार्यक्रम में शक्तिशाली लोग बड़ी संख्या में मौजूद थे। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर मौजूद थे। कार्यक्रम में, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, ब्रिटिश राजपरिवार के सदस्य राजकुमार विलियम और यूरोपीय संघ के नेता भी शामिल हुए। इसमें 160 से अधिक आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल की मौजूदगी रही। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली और फ्रांसिस के बीच भले ही खास मेल-जोल नहीं था लेकिन पोप के उस देश से होने के कारण माइली को उपयुक्त स्थान दिया गया।

ट्रंप और जेलेंस्की ने अंतिम संस्कार कार्यक्रम से इतर निजी मुलाकात की। एक फोटो में दोनों नेता सेंट पीटर्स बेसिलिका में कुर्सियों पर एक-दूसरे के सामने एकांत में बैठे हुए दिखाई दे रहे हैं, जहां फ्रांसिस अक्सर रूस-यूक्रेन युद्ध के शांतिपूर्ण अंत की आवश्यकता बताते थे। शहर भर में आयोजित सामूहिक प्रार्थना सभा और शव यात्रा -- जिसमें फ्रांसिस के ताबूत को खुली छत वाले वाहन में रखा गया था -- का भी दुनिया भर में सीधा प्रसारण किया गया।

इस वाहन का उपयोग पोप ने 2015 में फिलीपीन की अपनी यात्रा के दौरान किया था।

इतालवी मीडिया के अनुसार, पुलिस हेलीकॉप्टर आसमान में मंडरा रहे थे, जो इतालवी अधिकारियों द्वारा संचालित विशाल सुरक्षा अभियान का हिस्सा था।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा शनिवार को पुणे में श्रीमंत दगडूशेठ हलवाई गणपति मंदिर में दर्शन और पूजा-अर्चना करते हुए।

पूजा हेगड़े की फिल्म रेट्रो के 'कनीमा' गाना के लिरिकल वीडियो ने हासिल किए 40 मिलियन से अधिक व्यूज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री पूजा हेगड़े की आने वाली फिल्म रेट्रो के 'कनीमा' गाना के लिरिकल वीडियो ने 40 मिलियन से अधिक व्यूज़ हासिल कर लिये हैं। पूजा हेगड़े अपनी आगामी फिल्म रेट्रो की रिलीज़ की तैयारी कर रही हैं। फिल्म के रिलीज से पहले ही इसके गाने कनीमा ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है, खासकर यूट्यूब पर। इस गाने में जबरदस्त बीट्स, धमाकेदार म्यूजिक और पूजा हेगड़े का हुकस्टेप है, जिसने गाने की लोकप्रियता में जबरदस्त इजाफा किया है। अब तक, हालिया रिलीज़ हुए लिरिकल वीडियोज़ में कनीमा का वीडियो यूट्यूब पर 40 मिलियन से ज़्यादा बार देखा जा चुका है। इस बेहतरीन सफलता के अलावा, सोशल मीडिया पर पूजा के फैंस उनका हुकस्टेप दोहराते नजर आ रहे हैं और गाने की कैची बीट्स का मजा ले रहे हैं। ठीक वैसे ही जैसे पूजा ने शूटिंग के दौरान किया था। ऑडियंस ने गाने के हुकस्टेप को रिक्रिएट करना शुरू कर दिया है और ये एक ट्रेंड बन गया है। यूट्यूब पर वीडियो आए एक महीने हो चुके हैं, लेकिन तब से लेकर अब तक यह गाना सोशल मीडिया पर रेट्रो वेडिंग वाइब और पूजा के ऑथेंटिक डांस मूव्स के चलते वायरल होता जा रहा है। दर्शकों ने यहां तक कहा कि पूजा हेगड़े ने अपने को-स्टार सूर्या को अपने डांस से ओवरशैडो कर दिया।

अब जब कनीमा का लिरिकल वीडियो 40 मिलियन व्यूज़ पार कर चुका है, तो पूजा हेगड़े ने इस उपलब्धि को अपने सोशल मीडिया पर सेलिब्रेट किया। वहीं फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज हो चुका है और केवल छह दिनों में ही यूट्यूब पर 21 मिलियन से ज़्यादा व्यूज़ पा चुका है। इस गैंगस्टर ड्रामा फिल्म में पूजा हेगड़े प्यार और मासूमियत का स्पर्श लेकर आई हैं, जिसमें सूर्या मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म के निर्देशक हैं कार्तिक सुब्बाराज और रेट्रो एक मई को रिलीज होने वाली है। रेट्रो के अलावा, पूजा हेगड़े जल्द ही एक बॉलीवुड रोम-कॉम फिल्म हाय जवानी तो इश्क होना है में भी नजर आएंगी। इस फिल्म की शूटिंग पूजा ने शुरू कर दी है और इसमें उनके अपोज़िट वरुण धवन होंगे। फिल्म के निर्देशक डेविड धवन हैं और यह फिल्म जल्द ही रिलीज होगी।

'केसरी वीर: लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ' से सुनील शेट्टी का लुक रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के माचो हीरो सुनील शेट्टी की आने वाली फिल्म केसरी वीर: लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ से उनका पोस्टर रिलीज हो गया है। सुनील शेट्टी, विवेक ओबेरॉय और सूरज पंचोली अभिनीत केसरी वीर: लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित पीरियड फिल्मों में से एक है। जैसे-जैसे इस भव्य फिल्म को लेकर उत्साह बढ़ रहा है, मेकर्स ने फिल्म का एक दमदार नया पोस्टर रिलीज़ किया है, जिसमें सुनील शेट्टी को निडर योद्धा वेगड़ा जी के रूप में दिखाया गया है। खून से सनी कुल्हाड़ी और एक रफ वॉरियर लुक में, सुनील का एक्सप्रेशन जबरदस्त प्रभाव छोड़ता है। यह दृश्य एक ऊर्जावान युद्धभूमि को दर्शाता है, जहाँ योद्धा मैदान में फैले हुए हैं और पीछे गुजरात का प्रतिष्ठित सोमनाथ मंदिर नजर आ रहा है। 'केसरी वीर: लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ में सुनील शेट्टी अपराजेय योद्धा वेगड़ा जी की भूमिका निभा रहे हैं, वहीं सूरज पंचोली एक अनसुने नायक और युवा राजपूत राजकुमार वीर हमीरजी गोहिल के किरदार में नजर आएंगे। विवेक ओबेरॉय खलनायक जफ़र की भूमिका में दिखेंगे, जबकि डेब्यू कर रहीं आकांक्षा शर्मा, सूरज के किरदार के साथ एक रोमांटिक ट्रैक के ज़रिए कहानी में भावनात्मक रंग भरेंगी। सुनील शेट्टी, विवेक ओबेरॉय, सूरज पंचोली और आकांक्षा शर्मा के नेतृत्व में सजी इस दमदार स्टारकास्ट वाली फिल्म केसरी वीर का निर्माण कानू चौहान ने चौहान स्टूडियोज के बैनर तले किया है। पैनोरमा स्टूडियोज की यह फिल्म 16 मई 2025 को दुनियाभर के दर्शकों को रोमांचित करने आ रही है।

एआर रहमान पर लगा 'शिव स्तुति' धुन चोरी का आरोप, 2 करोड़ का जुर्माना, कोर्ट ने भेजा नोटिस

नई दिल्ली/एजेन्सी

मशहूर म्यूजिक डायरेक्टर एआर रहमान एक बार फिर गलत वजह से सुर्खियों में आ गए हैं। दिल्ली हाईकोर्ट ने धुन कॉपी के आरोप में उनके और फिल्म प्रोडक्शन कंपनी मद्रास टॉकीज पर दो करोड़ रुपये का जुर्माना ठोका है। मामला ऐश्वर्या राय बच्चन की फिल्म 'पोन्नियन सेलवन 2' के गाने 'वीरा राजा वीरा' से जुड़ा है। कोर्ट ने रहमान को इस मामले में नोटिस भेज दिया है। पद्मश्री से सम्मानित उस्ताद फैयाजुद्दीन वसीफुद्दीन डागर ने दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर कर आरोप लगाया था कि 'वीरा राजा वीरा' गाने की धुन उनके पिता नासिर फैयाजुद्दीन डागर और चाचा नासिर जाहिरुद्दीन डागर की कंपोज 'शिव स्तुति' से कॉपी की गई है।

उन्होंने दावा किया कि बेशक गाने के बोल अलग हैं, लेकिन इस गाने की लय और बीट्स 'शिव स्तुति' से बिलकुल मिलती है और इसका श्रेय उनके परिवार को नहीं दिया गया है। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान माना कि गाना 'शिव स्तुति' की पूरी तरह नकल है। बस कुछ मामूली बदलाव किए गए हैं। रहमान और निर्माता कंपनी ने उनके काम को कोई श्रेय नहीं दिया। कोर्ट ने साफ कर दिया कि डागर के काम को बिना उचित श्रेय के इस्तेमाल करना कॉपीराइट उल्लंघन है। कोर्ट ने 2 करोड़ का जुर्माना लगाते हुए निर्देश दिया है कि गाने में साफतौर से लिखा जाए कि यह दिवंगत उस्ताद नासिर फैयाजुद्दीन डागर और उस्ताद नासिर जाहिरुद्दीन डागर की 'शिवा स्तुति' पर आधारित रचना है। इसे सभी ओटीटी प्लेटफॉर्म्स और ऑनलाइन माध्यमों पर अपडेट किया जाए। यही नहीं, डागर परिवार को भी दो लाख रुपये का हर्जाना देना होगा।

कोर्ट ने साफ किया कि हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की मूल रचनाएं कॉपीराइट कानून के तहत संरक्षित हैं। अगर कोई रचना संगीतकार की अपनी है तो उसे पूर्ण कानूनी अधिकार मिलेगा। वहीं एआर रहमान ने इन आरोपों से इनकार किया है। उन्होंने तर्क दिया कि 'वीरा राजा वीरा' गाना एक मौलिक रचना है। इसे पश्चिमी संगीत के मूल सिद्धांतों के इस्तेमाल से 227 अलग-अलग लेयर्स के साथ तैयार किया गया है, जो हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की परंपराओं से काफी अलग है। कोर्ट ने रहमान के इन तर्कों को खारिज करते हुए यह फैसला सुनाया है।

टॉम क्रूज की फिल्म 'मिशन: इम्पॉसिबल -द फाइनल रेकनिंग' भारत में होगी रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

हॉलीवुड अभिनेता टॉम क्रूज़ की फिल्म 'मिशन: इम्पॉसिबल - द फाइनल रेकनिंग' भारत में 17 मई को रिलीज होगी। पैरामाउंट पिक्चर्स इंडिया ने घोषणा की है कि बहुप्रतीक्षित फिल्म 'मिशन: इम्पॉसिबल- द फाइनल रेकनिंग' अब 23 मई के बजाये 17 मई को रिलीज़ की जाएगी। दुनियाभर में फैंस के जबरदस्त उत्साह और मांग को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। 'मिशन: इम्पॉसिबल- द फाइनल रेकनिंग' सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक भावनात्मक और रोमांच से भरपूर अनुभव है ।

एक ऐसा आखिरी मिशन जिसमें ज़बरदस्त एक्शन, दिल को छू लेने वाले पल और सांस रोक देने वाला रोमांच देखने को मिलेगा।

पैरामाउंट पिक्चर्स और स्काइडांस प्रस्तुत, और टॉम क्रूज़ प्रोडक्शन की इस फिल्म का निर्देशन क्रिस्टोफ़र मैक्वेरी ने किया है। दमदार कलाकारों से सजी इस हाई-वोल्टेज एक्शन फिल्म में टॉम क्रूज़ के साथ हेली एटवेल, विंग रेम्स, साइमन पेग, एसाई मोरालेस, पॉम क्लेमेंटिएफ, हेनरी ज़ेर्नी, एंजेला बैसेट, होल्ट मैक्कलनी, जेनेट मैकटीर, निक ओफरमैन, हैना वाडिंगहैम, ट्रामेल टिलमैन, शिया व्हिघम, ग्रेग टार्ज़न डेविस, चार्ल्स पार्नेल, मार्क गैटिस, रोल्फ सैक्सन और लूसी तुलुगरजुक की अहम भूमिका है।

ज्यादा सोचने का नहीं, बस कर डालते हैं : मोनालिसा

मुंबई/एजेन्सी

मशहूर एक्ट्रेस मोनालिसा का लेटेस्ट फोटोशूट इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है। यह फोटोशूट उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। फोटो में वह बेहद खूबसूरत लग रही हैं। लुक की बात करें तो मोनालिसा ने प्रिंटेड शर्ट के साथ स्कर्ट पहनी हुई है और अपने बालों को खुला छोड़ा है। अपने लुक को पूरा करने के लिए उन्होंने वाइट शूज पहने हुए हैं। अपनी इन तस्वीरों को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा - 'ज्यादा सोचने का नहीं, बस कर डालते हैं!' हाल ही में उन्होंने अपने मां-बाबा को 11 लाख रुपए की कार गिफ्ट में दी है, जिसकी तस्वीर उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की। उन तस्वीरों में कार खरीदने की खुशी एक्ट्रेस और उनके परिवार वालों के चेहरे पर साफ दिखाई दी। वह केक काटकर इस खुशी का जश्न मनाती भी नजर आईं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, ''नई शुरुआत... मां और बाबा के लिए गिफ्ट उनकी एक और इच्छा पूरी हुई।'' इस पोस्ट पर फैंस के साथ-साथ उनके साथी भी खूब सराहना कर रहे हैं और बधाई दे रहे हैं। एक्ट्रेस सायंतनी घोष ने कमेंट किया - 'बधाई हो'। 'दीया और बाती' फेम दीपिका सिंह ने कमेंट में लिखा - 'मुबारक हो'। एक्टर अंकित भाटिया ने लिखा - 'बधाई, भगवान आपको खुश रखे'। वर्कफ्रंट की बात करें तो मोनालिसा इन दिनों सुपरनेचुरल शो 'श्मशान चंपा' में मोहिनी का किरदार निभा रही हैं। 'श्मशान चंपा' टेलीविजन की पसंदीदा 'डायन' मोनालिसा को उनके सबसे पसंदीदा अवतार में वापस लाता है, इससे प्रशंसकों में उत्साह देखा जा सकता है। यह शो शेमारू उमंग पर प्रसारित होता है। उल्लेखनीय है कि मोनालिसा का असली नाम अंतरा बिस्वास है। उन्होंने भोजपुरी फिल्म हो या टीवी इंडस्ट्री, सभी में तहलका मचाया हुआ है। उन्होंने टीवी सीरियल 'नजर' में 'डायन' का किरदार निभाया, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया। इसके अलावा, उन्होंने 'नमक इश्क का', 'बेकाबू', 'लाल बनारसी', 'आखिरी दास्तान' जैसे शोज में भी काम किया। उन्होंने रियलिटी शो 'बिग बॉस 10' से भी पॉपुलैरिटी हासिल की, जिसमें मनवीर गुर्जर विनर रहे। वह 'बंटी और बबली', 'ब्लैकमेल', 'मनी है तो हनी है', 'काफिला' जैसी फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

बेंगलूरु | रविवार | 27-04-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ कर्नाटक के तत्वावधान में सामायिक स्वाध्याय भवन में मुमुक्षु दिव्या भलघट का सम्मान एवं संघ द्वारा खोल भराई का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। अध्यक्ष निर्मलकुमार बम्ब ने सभी का स्वागत किया।

तेरापंथ भवन में 'महाश्रमण आर्ट गैलरी' में विभिन्न मुद्राओं में दिखे आचार्य महाश्रमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशन में तेरापंथ युवक परिषद बेंगलूरु द्वारा शनिवार को गांधीनगर तेरापंथ भवन में 'महाश्रमण आर्ट गैलरी' प्रदर्शनी का आयोजन किया। इस अवसर पर शाखा प्रभारी अमित दक की विशेष उपस्थिति रही, जिन्होंने कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। इस आर्ट गैलरी में सभी प्रतिभागियों ने अपने सृजनात्मक कौशल का परिचय देते हुए अपने आराध्य आचार्यश्री महाश्रमणजी की विभिन्न मुद्राओं को अपनी कला के माध्यम से सुंदर चित्रों में प्रस्तुत किया। प्रदर्शनी में आयोजित प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार मीनाक्षी बैद, द्वितीय पुरस्कार रणजीता धारीवाल तथा तृतीय पुरस्कार गुनगुन आच्छा को प्रदान किया गया। सभी प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संयोजन पूरब चौपड़ा ने किया। संयोजक ने सभी प्रतिभागियों एवं सहयोगियों को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से तेरापंथ सभा गांधीनगर के अध्यक्ष पारसमल भंसाली, मंत्री विनोद छाजेड़, तेयुप अध्यक्ष विमल धारीवाल, उपाध्यक्ष प्रसन्न धोका, मंत्री राकेश चोरड़िया, सहमंत्री प्रतीक जोगड़, आईपीपी रजत बैद तथा परिषद सदस्य रोहित कोठारी आदि उपस्थित रहे।

पैलेस ग्राउंड पर नौ दिवसीय श्रीराम कथा 9 जून से

गोड़वाड़ भवन में तैयारी बैठक आज, सभी आमंत्रित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्रीराम परिवार दुर्गा पूजा समिति के तत्वावधान में शहर में पहली बार, पद्मविभूषण से सम्मानित श्री तुलसी पीठाधीश्वर जगदगुरु श्री रामभद्राचार्यजी द्वारा श्रीराम कथा का आयोजन 9 जून से पैलेस ग्राउंड के प्रिंसेज श्राइन सभागार में होने जा रहा है । यह कथा रोजाना दोपहर 3 बजे से प्रारंभ होगी।

इस नौ दिवसीय श्रीराम कथा के आयोजन की तैयारियों के सिलसिले में समिति की ओर से रविवार को शाम 4 बजे से लालबाग रोड स्थित गोड़वाड़ भवन में बैठक का आयोजन किया गया है, जिसमें कथा की तैयारियों एवं रूपरेखा के निर्धारण पर चर्चा होगी। इच्छुक रामभक्त इस आयोजन से जुड़ने के लिए मिथिलेश तिवारी से मोबाइल क्रमांक 98861 58807 या अजय पाण्डेय से मोबाइल क्रमांक 98861 94886 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ ने मुमुक्षु दिव्या भलगट का किया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ कर्नाटक के तत्वावधान में सामायिक स्वाध्याय भवन में मुमुक्षु दिव्या भलघट का सम्मान एवं संघ द्वारा खोल भराई का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। अध्यक्ष निर्मलकुमार बम्ब ने सभी का स्वागत किया। पूर्व मंत्री गौतमचंद ओस्तवाल ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए रूपरेखा बताई। उन्होंने मुमुक्षु का संक्षिप्त परिचय देते हुए कहा कि मुमुक्षु की जैन भागवती दीक्षा 5 जून को आचार्यश्री हीराचंद्रजी एवं भावी आचार्यश्री महेन्द्रमुनि के मुखारबिंद से महासती ज्ञानलताजी के सिंघाड़े में सूर्यनगरी जोधपुर राजस्थान में होगी। मुमुक्षु का सम्मान जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, श्राविका मंडल एवम युवक परिषद द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर कृष्णराजपुरम, राममूर्तिनगर, राजाजीनगर, श्रीरामपुरम, शान्तिनगर, शूले, विजयनगर, हलसुर, मल्लेश्वरम,विल्सन गार्डन, कम्मनहल्ली, यलगुंडपाल्यम, मंजूनाथनगर, लष्मीनारायनपुरम, हनुमन्तनगर, बसवनगुड़ी, डोमलूर सहित अनेक संघों की उपस्थिति रही। श्राविका मंडल द्वारा समूह गान की प्रस्तुति के पश्चात मुमुक्षु दिव्या ने जोधपुर में होने वाली दीक्षा प्रसंग पर सभी को आमंत्रित किया। जम्बूकुमार दुगड़ और मंत्री भरत सांखला के संबोधन के पश्चात दिव्या भलघट के मंगल पाठ से कार्यक्रम सम्पन्न हुआ ।

संघ के पूर्व अध्यक्ष पदमराज मेहता, नरेंद्र भण्डारी, छगनलाल लुणावत, सुशीला भण्डारी, प्रमिला भण्डारी, वैजयंती मेहता, चंद्रप्रभा मेहता ने खोल भरने में संघ के सभी पदाधिकारियों के साथ हाथ बंटाया ।

मैसूरु जैन समाज ने पहलगाम हिन्दू नरसंहार के विरोध में निकाली रैली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में गत 22 अप्रैल को आतंकवादियों द्वारा 26 निर्दोष नागरिकों की निर्मम हत्या के विरोध में शनिवार को शहर के सर्व राजस्थानी समाज मैसूरु की ओर से रैली निकालकर प्रदर्शन किया गया और मृतकों को श्रद्धांजलि दी गई । गांधी चौक पर प्रदर्शन कर रैली निकाली गई जो कि सोजी स्ट्रीट, अशोक रोड, बड़ा घंटाघर होते हुए महल परिसर स्थित आंजनैया स्वामी मंदिर पहुंची जहां आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी गई और प्रदर्शन करते हुए आतंकवादियों के पोस्टर जलाए। इस रैली में जैन समाज के शांतिलाल हरण, हंसराज पगारिया, हीराचंद काँगटानी, कांतिलाल भंडारी, कांतिलाल चौहान,विमल पितलिया, राजन बाघमार, अमृतलाल राठौड़ सुमतिलाल पगारिया, विमल भैंसवाड़ा, सुरेश भिरलोचा, प्रकाश वाणीगोता, विनोद बाकलीवाल सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। सभी ने सामूहिक रूप से इस आतंकी हमले की निंदा की।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

संत दर्शन

बेंगलूरु जैन समाज के रमेशचंद्र दक, सुनील लोढ़ा एवं अभय बोहरा ने शनिवार को आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्रीश्री रविशंकर गुरुजी से कनकपुरा रोड स्थित आश्रम में भेंट की। रविशंकर ने जैन समाज की जीव दया एवं मानव सेवा भावना की सराहना करते हुए कहा कि जैन समाज राष्ट्र सेवा एवं मानव सेवा में सदैव अग्रणी रहा है। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर का संदेश जीओ और जीने दो को अपनाने से ही संपूर्ण विश्व में शांति और सद्भावना का निर्माण संभव है। रमेशचंद्र दक ने श्रीश्री रविशंकर के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की।

तलकाडु में ईश्वरीय विश्वविद्यालय के नए भवन का हुआ भूमिपूजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तलाकाडु। शहर के तिनारसीपुरा में शनिवार को प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के नए भवन का भूमिपूजन व शिलान्यास मल्टीमीडिया विभाग के अध्यक्ष राजयोगी ब्रह्माकुमार करुणाजी द्वारा किया गया। इस मौके पर करुणाजी ने कहा कि यह विश्वविद्यालय जो पहला पाठ पढ़ाता है वह आत्मा का पाठ है। यह आध्यात्मिक शिक्षा सर्वांगीण सुख और शांति के जीवन का आधार है। जब तक हम यह अनुभव नहीं करते कि हम सभी आत्माएं हैं, भाई-बहन हैं, एक ही परमात्मा की संतान हैं तब तक हम अंधकार में हैं। जब हम भौतिक दृष्टि से देखते हैं तो भेदभाव पैदा होता है। हम सभी के मन में शुभ भावनाएँ, शुभ कामनाएँ, सद्भावनाएं और विश्व बंधुत्व की भावना आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस तरह की निशुल्क शिक्षा के उद्देश्य से निर्मित हो रहा भवन शहर के लोगों को पूर्ण लाभ पहुंचाने के लिए है। बीके रंगनाथ ने कहा कि लोगों में फैल रही अशांति का कारण उनके मन में व्याप्त अशांति है। बेचैनी का कारण मन की एकाग्रता का अभाव है। उन्होंने कहा कि एकाग्रता के लिए राजयोग का अभ्यास बहुत जरूरी है।

मैसूर उप-मंडल मुख्य समन्वयक राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी लक्ष्मीजी ने कहा कि जीवन में मानसिक शांति का अनुभव करने के लिए सकारात्मक सोच आवश्यक है। सकारात्मक विचार उदासी और चिंता को दूर करने का एक शक्तिशाली हथियार है। प्रशिक्षिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी दानेश्वरीजी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर संस्था से जुड़े अनेक लोग उपस्थित थे।

मायुम बेंगलूरु ने पहलगाम हमले के पीड़ितों को दी श्रद्धांजलि, किया अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु शाखा ने शनिवार को पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ितों की स्मृति में मैसूर बैंक सर्कल हनुमान मंदिर के पास प्रदर्शन किया तथा मोमबत्ती जलाकर मृतकों को श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे। इसी मौके पर संस्था की ओर से अन्नदान कार्यक्रम में 1200 जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया गया, जिसके प्रायोजक बांसुरी स्वीट्स के आनंद मिहिर अग्रवाल परिवार था। संयोजक रूपेश केडिया ने प्रायोजक परिवार को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष गोपाल अग्रवाल, सचिव सन्नी जैन, कोषाध्यक्ष विवेक खंडेलवाल सहित पूर्व अध्यक्ष सुनील साह, आलोक सराफ, अंकित मोदी, वरिष्ठ सदस्य पंकज जालान और अनिल केडिया ने अपने हाथों से अन्नदान किया। मायुम प्रांतीय अध्यक्ष मोहित शर्मा के साथ मायुम के उपाध्यक्ष जेपी अग्रवाल, कन्हैया अग्रवाल, गौरव शर्मा, पवन राजलीवाल, प्रीतेश बुरड़, तनुज टेकरीवाल, शुभम लोहिया, मनीष अग्रवाल, अरुण शर्मा, विशाल धानुका और विनोद गर्ग आदि भी उपस्थित थे।

तेरापंथ महिलाओं ने राज्यपाल थावरचंद गहलोत से की मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर की सदस्याओं ने शनिवार को राज्य के राज्यपाल थावरचन्द गहलोत से राजभवन में मुलाकात की तथा जल जागरूकता अभियान के अंतर्गत 'हर बूंद अनमोल' पोस्टर का अनावरण राज्यपाल थावरचन्द गहलोत के हाथों करवाया। इस मौके पर राज्यपाल ने इस अभियान को आज की आवश्यता बताते हुए कहा कि जितना हम पानी बचाएंगे, भविष्य में अच्छा रहेगा। उन्होंन भी जब तक है जल सुरक्षित, तब तक है कल सुरक्षित' का नारा दिया। मंडल की अध्यक्षा रिजु डूंगरवाल, उपाध्यक्ष लक्ष्मी बोहरा, लता गादिया, सहमंत्री वीणा पोरवाल, प्रचार प्रसार मंत्री संगीता आंचलिया ने राज्यपाल को मंडल द्वारा किए गए व किए जा रहे विभिन्न कार्यों की जानकारी देते हुए एलबम दिखाए। राज्यपाल ने महिला मंडल के कार्यों की सराहना करते हुए शुभकामनाएं दी।

बिड़दी में 'एक शाम महाप्रज्ञ के नाम' भक्ति संध्या का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बिड़दी। शहर की तेरापंथ उपसभा के तत्वावधान में मुनि डॉ पुलकितकुमारजी एवं आदित्यकुमारजी के सान्निध्य में आचार्यश्री महाप्रज्ञजी के 16वें महाप्रयाण दिवस पर श्रद्धार्पण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ पुलकित कुमारजी ने कहा,आचार्य महाप्रज्ञ मेरे परम उपकारी संयम दाता गुरु हैं। आचार्यश्री महाप्रज्ञ द्वारा विश्व को दिया प्रेक्षाध्यान का अवदान कल्याणकारी साबित हुआ है। आचार्य महाप्रज्ञ एकमात्र ऐसे जैनाचार्य थे जिनके सान्निध्य में अपना जन्मदिन मनाने स्वयं राष्ट्रपति अब्दुल कलाम तीन बार आए थे।

इस मौके पर आयोजित 'एक शाम महाप्रज्ञ के नाम' भक्ति संध्या के अंतर्गत मुनिश्री आदित्यकुमारजी ने भजनों की प्रस्तुति दी। प्रेक्षा संगीत सुधा की टीम के अशोक सुराणा और उनके सहयोगियों ने भी अपनी प्रस्तुति दी। उपासक महेंद्र दक ने विचार प्रकट किए। ईमरतलाल देवड़ा के निवास पर आयोजित इस कार्यक्रम में सकल जैन समाज बिड़दी का श्रावक समाज उपस्थित था। तेरापंथ सभा अध्यक्ष दिलखुश दक, कुशलचंद देवड़ा ने सभी को धन्यवाद देते हुए प्रेक्षा संगीत सुधा टीम का सम्मान किया। वर्षीतप आराधिक संगीता देवड़ा का भी जैन समाज बिड़दी की ओर से सम्मान किया गया।

वायुसेना अधिकारी के खिलाफ 'रोड रेज' मामले में दंडात्मक कार्रवाई पर कर्नाटक उच्च न्यायालय की रोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने बेंगलूरु शहर की पुलिस को 'रोड रेज' मामले में भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर शिलादित्य बोस के खिलाफ कोई भी दंडात्मक कार्रवाई करने से रोक दिया है। अधिकारी ने अपने खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को चुनौती देते हुए याचिका दायर की थी, जिस पर न्यायमूर्ति हेमंत चंदनगौदर ने 24 अप्रैल को यह अंतरिम निर्देश जारी किया।

घटना 21 अप्रैल को सी. वी. रमन नगर के पास हुई थी। शुरुआत में, पुलिस ने बोस की दी हुई शिकायत के आधार पर एक प्राथमिकी दर्ज की, जिसमें आरोप लगाया गया था कि कॉल सेंटर के कर्मचारी विकास कुमार एस. जे. ने उन पर हमला किया था। इसके बाद, कुमार ने एक जवाबी शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद वायुसेना अधिकारी के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज की गई। अदालत ने अंतरिम आदेश में पुलिस को निर्देश दिया कि वह बोस के खिलाफ कोई भी दंडात्मक कदम न उठाए और न ही उचित कानूनी प्रक्रिया का पालन किए बिना उन्हें तलब करे। साथ ही अदालत ने यह निर्देश भी दिया कि मामले में आरोपपत्र अदालत की पूर्व अनुमति के बिना दाखिल न किया जाए। हालांकि, अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता को जांच में पूरा सहयोग करना चाहिए।

सुरेश चावत फिर बने जैन महावीर मंडल के अध्यक्ष

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जैन महावीर मंडल टी दासरहल्ली की वार्षिक बैठक में वर्ष 2025-27 के लिए पुनः सुरेश चावत को अध्यक्ष पद पर सर्वसम्मति से मनोनीत किया गया। चुनाव अधिकारी राजेन्द्र जैन एवं नेनालाल नंगावत ने यह घोषणा की।

मंडल सदस्य के रूप में हंसमुख बाबेल, प्रवीण बोहरा, परेश नंगावत, पंकज तातेड़, दिलीप पोखरणा, अरविंद जैन, संदीप कोठारी आदि को शामिल किया गया। इस मौके पर नवमनोनीत अध्यक्ष व मंडल सदस्यों ने भानुरत्नविजयजी व साध्वीश्री सोमयशाजी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा मांगलिक ग्रहण की। संतों ने रविवार को आयोजित महामांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सभी को आमंत्रित किया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com